अभूतपूर्व सम्पर्क
असाधारण सफलतायें

भारत की राजनयिक यात्रा 2014 से 2018 तक

अभूतपूर्व सम्पर्क

असाधारण सफलतायें

टीम विदेश मंत्रालय

जनरल (डॉ.) वी. के. सिंह (सेवानिवृत्त)
विदेश राज्य मंत्री

सुषमा स्वराज
विदेश मंत्री

एम. जे. अकबर
विदेश राज्य मंत्री

विजय गोखले
विदेश सचिव

प्रीति सरन
सचिव (पूर्व)

रूची घनश्याम
सचिव (पश्चिम)

ज्ञानेश्वर एम. मुले
सचिव (सीपीवी और ओआईए)

टी. एस. तिरूमूर्ति
सचिव (ईआर)

9,000 + समर्पित अधिकारी एवं कर्मचारी

भारत पहले

विषय सूची

8

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी पहली कूटनीतिक यात्रा भूटान से और विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने अपनी पहली विदेश यात्रा बांग्लादेश से आरम्भ की।

पूरी दुनिया से सम्पर्क
ए–टू–जेड
सबसे पहले पड़ोसी

12

कूटनीतिक प्रतिमान
प्रथम बार

32

वैश्विक परिदृश्य में भारत की अभूतपूर्व उपस्थिति

सभी महाद्वीप और क्षेत्र

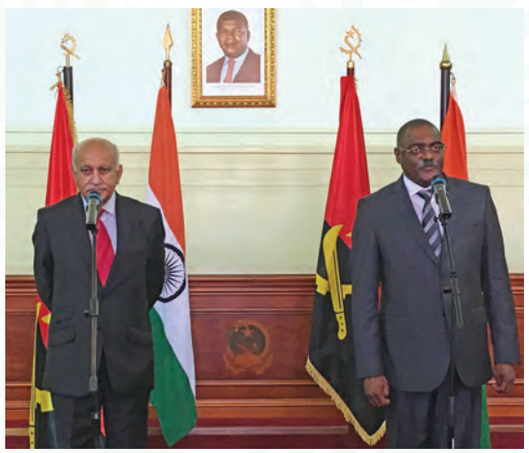

54

आम जन को लाभ

विषय सूची

74

सर्वजन हिताय–सर्वजन सुखाय

80

विश्व मंच पर भारत
सक्रिय एवं दायित्वपूर्ण

98
वैश्विक नीति निर्धारण में भारत की भूमिका
भारत की वैश्विक छवि को नये आयाम दिये गये

108
मानवीय कूटनीति

120
सांस्कृतिक सम्पर्क
आध्यात्मिक सम्बन्ध

128
विदेश मंत्रालय द्वारा की गई नई पहलें
नये कीर्तिमान स्थापित करते हुये

पूरी दुनिया से सम्पर्क ए–टू–जेड

A

अफगानिस्तान ■ ■ ■
अल्जीरिया ■
अंगोला ■ ■
अर्मेनिया ■
ऑस्ट्रेलिया ■
ऑस्ट्रिया ■ ■
अज़रबेजान ■ ■

B

बहरीन ■ ■ ■
बांग्लादेश ■ ■ ■ ■ ■
बेलारूस ■
बेल्जियम ■ ■ ■
बेनिन ■
भूटान ■ ■
ब्राजील ■
ब्रुनेई ■

C

कंबोडिया ■
कनाडा ■
चीन ■ ■ ■ ■ ■
कांगो गणराज्य ■
कोस्ता रीका ■
कोत दि वोआर ■ ■
क्रोएशिया ■
साइप्रस ■
चेक गणराज्य ■

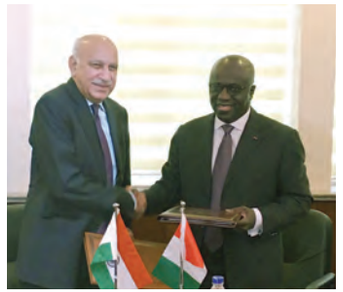

G

जर्मनी ■ ■ ■
घाना ■ ■
ग्वातेमाला ■ ■

H

हंगरी ■

I

इंडोनेशिया ■ ■ ■ ■
ईरान ■ ■ ■
ईराक ■ ■
आयरलैंड ■ ■
इजराइल ■ ■ ■
इटली ■ ■

भारत से बाहर जिन देशों में गये हम

■ राष्ट्रपति	■ विदेश मंत्री
■ उपराष्ट्रपति	■ विदेश राज्यमंत्री – वी. के. सिंह
■ प्रधानमंत्री	■ विदेश राज्यमंत्री – एम. जे. अकबर

D

जिबूती
डोमिनिकन गणराज्य
उत्तर कोरिया

J

जमैका
जापान
जॉर्डन

E

इक्वाडोर
मिस्र
एल सेल्वाडोर
इक्वेटोरियल गिनी
इरीत्रिया
एस्टोनिया
इ–स्वातिनी
इथियोपिया

K

कज़ाकिस्तान
केन्या
कुवैत
किरगिजस्तान

F

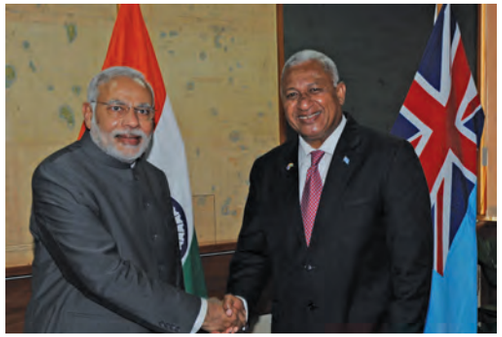

फिजी
फिनलैंड
फ्रांस

L

लाओस
लातविया
लेबनॉन
लाइबीरिया
लिख्टेंस्टाइन
लिथुआनिया
लक्समबर्ग

पूरी दुनिया से सम्पर्क ए–टू–जेड

M

मेडागास्कर
मलेशिया
मालदीव
माली
माल्टा
मॉरीशस
मैक्सिको
मंगोलिया
मॉन्टेनेग्रो
मोरक्को
मोजाम्बिक
म्यांमार

S

साओ टोमे एवं प्रिंसिपे
सऊदी अरब
सेनेगल
सेशल्स
सिंगापुर
स्लोवाकिया
स्लोवेनिया
सोमालिया
दक्षिण अफ्रीका
दक्षिण कोरिया
दक्षिण सूडान
सूडान
स्पेन
श्रीलंका
सूरीनाम
स्वीडेन
स्विटजरलैंड
सीरिया

N

नामीबिया
नेपाल
नीदरलैंड
न्यूजीलैंड
नाईजीरिया
नॉर्वे

T

तजाकिस्तान
तंजानिया
थाईलैंड
त्रिनिदाद एवं टोबैगो
ट्यूनीशिया
तुर्की
तुर्कमेनिस्तान

O

ओमान

U

युगांडा
यूक्रेन
संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)
यूनाइटेड किंगडम (यूके)
संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस)
उज़बेकिस्तान

P

पाकिस्तान
फिलिस्तीन
पनामा
पपुआ न्यू गिनी
पेरू
फिलीपींस
पोलैण्ड
पुर्तगाल

Q

कतर

R

रूस
रवांडा

V

वेटिकन सिटी
वेनेजुएला
वियतनाम

Y

यमन

Z

जाम्बिया

कूटनीतिक प्रतिमान

प्रथम बार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के चार वर्षों की अवधि में कूटनीति को एक नई ऊर्जा और शक्ति मिली है। अनेक यात्रायें और कार्यक्रम पहली बार किए गए हैं। भारत से राष्ट्रपति/उपराष्ट्रपति/प्रधानमंत्री स्तर पर इज़राइल, फिलिस्तीन, मंगोलिया, पुर्तगाल, स्विटज़रलैण्ड, इक्वोटोरियल गिनी, इ–स्वातिनी, ग्वाटेमाला समेत अनेक देशों की पहली बार यात्रा की गई।

तीसरे भारत–अफ्रीका शिखर सम्मेलन में प्रथम बार अफ्रीका महाद्वीप के सभी 54 देशों के नेताओं को आमंत्रित किया गया और सभी देशों का प्रतिनिधित्व भी हुआ। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सौर ऊर्जा गठबन्धन का गठन किया गया और उसका पहला सम्मेलन भारत में आयोजित किया गया। प्रशांत द्वीप समूह के राष्ट्राध्यक्ष/शासनाध्यक्षों का सम्मेलन दो बार आयोजित किया गया। पहला फिजी में और दूसरा भारत के जयपुर शहर में। प्रथम बार भारतीय मूल के सांसदों का सम्मेलन भारत में नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

(बायें) भारत की ओर से पहली बार अक्टूबर 2017 में जिबूती की उच्च स्तरीय यात्रा पर गए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जिबूती के राष्ट्रपति इस्माइल उमर गुले के साथ। (दाएं) भारत के किसी प्रधानमंत्री की पहली आधिकारिक फिलिस्तीन यात्रा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राष्ट्रपति मोहम्मद अब्बास फिलिस्तीन के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड कॉलर से सम्मानित करते हुए।

सबसे पहले पड़ोसी

एक नयी शुरुआत....

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की 'सबसे पहले पड़ोसी' नीति की अभिनव पहल को भारत की विदेश नीति का भाग बनाया गया। इसके अन्तर्गत 25 मई, 2014 को मॉरीशस के राष्ट्रपति के साथ–साथ सार्क देशों के सभी नेता आमंत्रित किए गये और उन्होंने एनडीए सरकार के शपथ–ग्रहण समारोह में भाग लिया। यह एक अद्भुत क्षण था, जिसने पड़ोसी देशों के साथ भारत के सम्बन्धों में प्रगाढ़ता पैदा की। इन सभी देशों का प्रधानमंत्री मोदी तथा विदेशी मंत्री सुषमा स्वराज द्वारा दौरा किया गया। इसमें ऐसे अनेक देश शामिल हैं, जहां काफी समय से किसी भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने दौरा नहीं किया था।

1ST भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा...

मंगोलिया

स्विट्ज़रलैंड

इज़राइल

फिलिस्तीन

पुर्तगाल

मध्य एशिया

के सभी पाँच देशों की एक साथ यात्रा

ताजिकिस्तान

कज़ाख़स्तान

उज्बेकिस्तान

किर्गीजस्तान

तुर्कमेनिस्तान

उभरता हुआ भारत

विश्व में बढ़ते हुये भारत के प्रभाव को स्वीकारते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हर उस देश के नेताओं द्वारा अगाध प्रेम और सम्मान दिया गया जिन देशों की उन्होने यात्रा की। इसी तरह प्रत्येक उच्चस्तरीय बहुपक्षीय मंचों तथा क्षेत्रीय मंचों पर भी भारत का भव्य स्वागत किया गया है।

ब्रिटिश संसद

को सम्बोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री

ओमान में रॉयल बॉक्स

से सम्बोधित करने वाले पहले विदेशी नेता

वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम

में मुख्य व्याख्यान देने वाले प्रथम भारतीय प्रधानमंत्री

प्रथम बार आयोजित शिखर सम्मेलन

भारत-प्रशान्त द्वीपीय सहयोग

जयपुर में पहली बार अगस्त 2015 में भारत–प्रशान्त द्वीपीय सहयोग मंच (फिपिक) के सम्मेलन का आयोजन किया गया।

भारत-अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन-III

भारत–अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन–III: अब तक के इतिहास में पहली बार 17 से बढ़ सारे 54 अफ्रीकी देशों ने भाग लिया। आईएएफएस–III का आयोजन अक्टूबर 2015 में नई दिल्ली में हुआ, जिसमें आपसी विकास के परिवर्तनकारी लक्ष्यों को रखा गया।

राजपथ पर आसियान देशों के 10 राजनेता

भारत के गणतन्त्र दिवस समारोह में 26 जनवरी, 2018 को मुख्य अतिथि के रूप में आसियान के सभी देशों ने एक समान महत्त्व से भागीदारी की। यह पहला अवसर था जब किसी क्षेत्र के सभी नेताओं को भारत के गणतन्त्र दिवस समारोह में आमंत्रित किया गया, जो सरकार की 'एक्ट ईस्ट नीति' के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सौर ऊर्जा क्षेत्र में भारत की अभिनव पहल

भारत तथा फ्रांस ने 11 मार्च, 2018 को नई दिल्ली में पहली बार अन्तर्राष्ट्रीय सौर संगठन (आईएसए) के प्रथम सम्मेलन का सह–आयोजन किया, जिसमे 50 से अधिक देशों के नेताओं तथा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस आईएसए सम्मेलन से विश्व में सौर क्रान्ति का आह्वान किया गया।

प्रथम भारत-नॉर्डिक सम्मेलन

प्रधानमंत्री मोदी ने स्टॉकहोम में पांच नॉर्डिक देशों के नेताओं के साथ अप्रैल 2018 में पहली शिखर वार्ता की। पहली भारत–नॉर्डिक शिखर वार्ता में स्वीडन, नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड ने भाग लिया। इससे आपसी साझेदारी को और अधिक सशक्त करने और इसे प्रौद्योगिकी तथा खोज पर केन्द्रित करने का प्रारूप तैयार किया गया।

1 यात्रा

भारतीय राष्ट्रपति द्वारा...

कोत दि वोआर

घाना

जिबूती

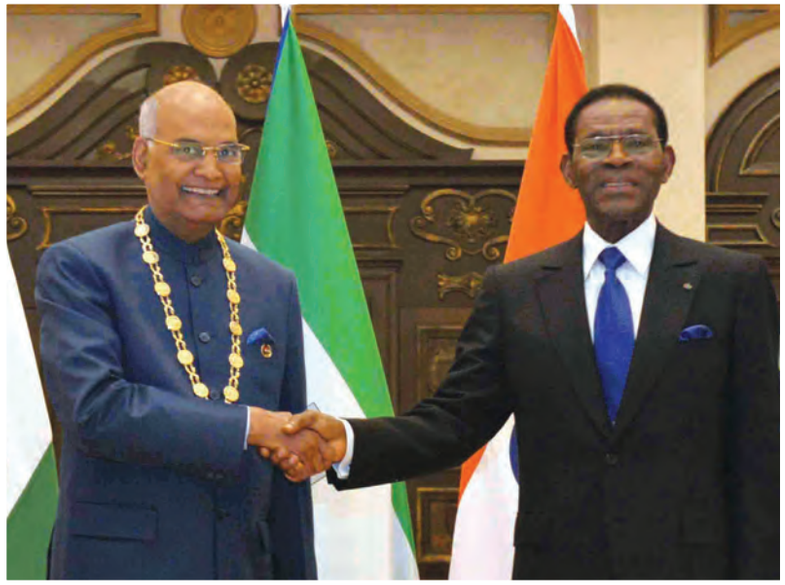

इक्वेटोरियल गिनी

इ–स्वातिनी

1 यात्रा भारतीय उपराष्ट्रपति द्वारा...

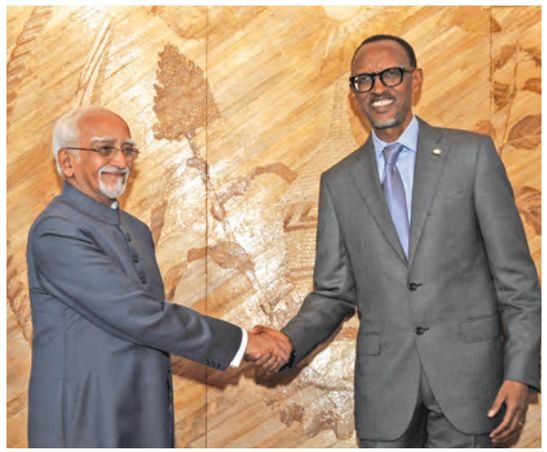

रवांडा

हंगरी

ग्वाटेमाला

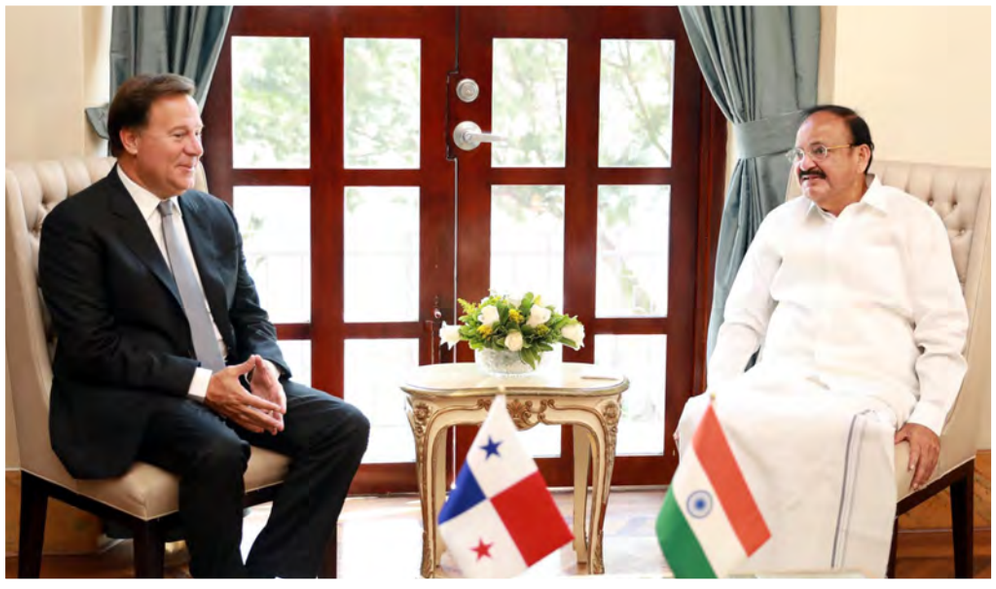

पनामा

अरसों बाद

सभी महाद्वीपों में भारत की कूटनीतिक भागीदारी के माध्यम से संबंधों को पुनः प्रगाढ़ करने के लिए भारत द्वारा लगभग 10 से 60 वर्षों के अन्तराल के बाद बीस से अधिक देशों के उच्चस्तरीय दौरे किए गये। इससे विभिन्न क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग के अनेक मार्ग प्रशस्त हुये।

40-60 वर्ष

- आयरलैण्ड
- कनाडा

30-40 वर्ष

- मोज़ाम्बिक़
- फिलीपींस
- केन्या
- संयुक्त अरब अमीरात
- फिजी
- सेशेल्स

20-30 वर्ष

- स्पेन
- श्रीलंका
- मैक्सिको
- तुर्कमेनिस्तान
- स्वीडन

15-20 वर्ष

- किर्गिस्तान
- नेपाल

10-15 वर्ष

- ईरान
- कज़ाख़स्तान
- वियतनाम
- नीदरलैण्ड
- तजाकिस्तान
- ओमान
- मॉरीशस

अत्यंत सक्रिय विदेश मंत्रालय

अमेरिका

वेनेजुएला

वियतनाम

यूरोपीय संघ

श्रीलंका

दक्षिण अफ्रीका

509
संवाद

277
राज्य/शासन प्रमुख एवं विदेश मंत्री

166
देश

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने गत चार वर्षों में **166** देशों के **277** राष्ट्राध्यक्षों / शासनाध्यक्षों / विदेश मंत्रियों के साथ **509** संवाद किये।

विदेश राज्यमंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वी. के. सिंह ने **56** देशों तथा विदेश राज्यमंत्री एम. जे. अकबर ने **53** देशों की यात्रायें की।

ऑस्ट्रेलिया

वैश्विक परिदृश्य में भारत की अभूतपूर्व उपस्थिति

सभी महाद्वीप और क्षेत्र

गत चार वर्षों में विश्व के प्रत्येक कोने में कूटनीतिक पहुंच के क्षेत्रों में अद्वितीय वृद्धि हुई है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री तथा दोनों राज्य मंत्रियों के स्तर पर रिकॉर्ड संख्या में भारत के बाहर यात्राएं हुईं। राष्ट्र के शीर्ष नेतृत्व ने विश्व के लगभग सभी देशों के उच्च नेताओं के साथ संपर्क स्थापित किया। इन संपर्कों से हमारे द्विपक्षीय संबंधों में गुणात्मक रूप से सुधार हुआ और वैश्विक तथा क्षेत्रीय मुद्दों पर हमारे बीच सहयोग में वृद्धि हुई। भारत की प्राचीन परम्परा– 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के अनुरूप सभी क्षेत्रों में कूटनीतिक पहल की गई, जो केन्द्र सरकार की सभी छोटे–बड़े देशों के साथ संबंध स्थापित करने की प्रतिबद्धता की परिचायक है और यह इस सिद्धांत को भी दर्शाती है कि विश्व एक परिवार है।

(बायें) प्रधानमंत्री मोदी जून 2017 में वाशिंगटन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ। (दाहिने) विदेश मंत्री सुषमा स्वराज सितंबर 2017 में मॉस्को में रूस के विदेश मंत्री सेरेजी लावरोव के साथ।

जिन देशों में गये हम

- अल्जीरिया
- अंगोला
- बेनिन
- कोत दि वोआर
- कांगो गणराज्य
- जिबूती
- मिस्र
- इक्वेटोरियल गिनी
- इरीट्रिया
- इ–स्वातिनी
- इथियोपिया
- घाना
- केन्या
- लाइबेरिया
- मेडागास्कर
- माली
- मॉरीशस
- मोरक्को
- मोज़ाम्बिक
- नामीबिया
- नाइजीरिया
- रवांडा
- साओ टोम एवं प्रिंसिपे
- सेनेगल
- सेशेल्स
- सोमालिया
- दक्षिण अफ्रीका
- सुडान
- दक्षिण सुडान
- तंजानिया
- ट्यूनीशिया
- युगांडा
- जाम्बिया

अफ्रीका

नई ऊँचाईयाँ छूते हुए

- तृतीय भारत–अफ्रीका मंच सम्मेलन की मेजबानी के साथ ही अक्टूबर 2015 में भारत–अफ्रीका के बहुआयामी संबंधों ने नई ऊँचाईयों को छुआ।
- पहली बार आईएएफएस–III में अफ्रीका के सारे 54 देशों के नेता तथा प्रतिनिधि भारत आये। भारत ने विश्व के किसी भी क्षेत्र के लिए 10 बिलियन डॉलर की अब तक की सबसे बड़ी LOC पैकेज पर अपनी प्रतिबद्धता दी।
- भारत की ओर से प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, तथा विदेश मंत्री स्तर पर रिकॉर्ड उच्चस्तरीय दौरे हुए।
- अफ्रीका के साथ सभी क्षेत्रों में आर्थिक एवं विकास सहयोग में वृद्धि।
- अहमदाबाद में पहली बार मई 2017 में अफ्रीकी विकास बैंक की बैठक का आयोजन।

जिन देशों से आये अतिथि

- कांगो गणराज्य
- इ–स्वातिनी
- मिस्र
- इथोपिया
- इक्वाटोरियल गिनी
- गैबोन
- गिनी गणराज्य
- केन्या
- मॉरीशस
- मोजाम्बिक
- रवांडा
- सेशेल्स
- सोमालिया
- तंजानिया
- ट्यूनीशिया
- युगांडा

मेडागास्कर

मोज़ाम्बिक

युगांडा

केन्या

मिस्र

गबोन

लाइबेरिया

अंगोला

जिन देशों में गये हम

- ऑस्ट्रेलिया
- फिजी
- न्यूज़ीलैण्ड
- पापुआ न्यू गिनी

ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैण्ड तथा प्रशान्त द्वीप समूह देश

जिन देशों से आये अतिथि

- ऑस्ट्रेलिया
- फिजी
- न्यूज़ीलैण्ड

संबंधों में प्रगाढ़ता

- उच्चस्तरीय दौरों से ऑस्ट्रेलिया एवं न्यूज़ीलैण्ड के साथ साझेदारी में विस्तार।
- नवम्बर 2014 में प्रधानमंत्री की ऑस्ट्रेलिया यात्रा पिछले तीन दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी। इस यात्रा ने ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत के आगामी संबंधों का मार्ग प्रशस्त किया है। इसके पश्चात् टोनी एबर्ट तथा मेलकम टर्नबुल जैसे ऑस्ट्रेलिया के नेता भारत की यात्रा पर आये।
- ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैण्ड के साथ व्यापार तथा निवेश में वृद्धि।
- ऑस्ट्रेलिया के साथ विशेष रूप से समुद्र–तटीय सुरक्षा सहित रणनीतिक साझेदारी में वृद्धि।

ऑस्ट्रेलिया

फिजी

पापुआ न्यू गिनी

न्यूज़ीलैण्ड

ऑस्ट्रेलिया

न्यूज़ीलैण्ड

एशिया और यूरेशिया

जिन देशों में गये हम

चीन

रूस

दक्षिण एशिया

- अफगानिस्तान
- बांग्लादेश
- भूटान
- मालदीव
- नेपाल
- पाकिस्तान
- श्रीलंका

दक्षिण–पूर्व तथा पूर्वी एशिया

- ब्रुनई
- कंबोडिया
- इंडोनेशिया
- जापान
- लाओस
- मलेशिया
- मंगोलिया
- म्यांमार
- उत्तर कोरिया
- फिलीपींस
- सिंगापुर
- दक्षिण कोरिया
- थाईलैण्ड
- वियतनाम

पश्चिम एशिया

- बहरीन
- ईरान
- इजराइल
- जॉर्डन
- कुवैत
- लेबनान
- ओमान
- फिलिस्तीन
- कतर
- सऊदी अरब
- सीरिया
- संयुक्त अरब अमीरात
- यमन

मध्य एशिया :

- कज़ाख़स्तान
- किर्गीजस्तान
- ताजिकिस्तान
- तुर्कमेनिस्तान
- यूक्रेन
- उज्बेकिस्तान

एशियाई सदी

- भारत और एशियाई देशों के बीच रिकॉर्ड संख्या में दोनों ओर से उच्च स्तरीय यात्रायें हुई।
- लुक ईस्ट पॉलिसी में परिवर्तन और उन्नयन करते हुए इसे एक्ट ईस्ट पॉलिसी में परिवर्तित किया, जिससे दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों और विस्तारित पूर्वी एशिया क्षेत्र के साथ संबंधों में गति लाने में मदद मिली।
- लुक वेस्ट नीति में बढ़ोत्तरी, जिससे पश्चिम एशियाई देशों के साथ आर्थिक तथा रणनीतिक संबंधों को आगे बढ़ाने में मदद मिली।
- पश्चिम एशियाई देशों के साथ ऊर्जा संबंधों को एक रणनीतिक आधार मिला।
- चाबहार बंदरगाह के प्रथम चरण को शुरू किया गया तथा भारत–अफगानिस्तान एयर फ्रेट कॉरिडोर का मार्ग भी प्रशस्त किया गया। इससे क्षेत्रीय संपर्कों में वृद्धि हुई।
- जून 2015 में प्रधानमंत्री मोदी के सभी पाँच मध्य एशियाई देशों के दौरों और उसके पश्चात अनेक द्विपक्षीय दौरों से मध्य एशिया से जुड़ने की नीति ने नई ऊँचाइयाँ छुईं।
- चीन, जापान तथा दक्षिण कोरिया सहित एशिया के प्रमुख ऊर्जा देशों के साथ सहयोग में वृद्धि।

जिन देशों से आये अतिथि

चीन

रूस

दक्षिण एशिया

- अफगानिस्तान
- बांग्लादेश
- भूटान
- मालदीव
- नेपाल
- श्रीलंका

दक्षिण–पूर्व और पूर्व एशिया

- कंबोडिया
- इंडोनेशिया
- जापान
- मलेशिया
- मंगोलिया
- म्यांमार
- उत्तर कोरिया
- फिलीपींस
- सिंगापुर
- थाईलैंड
- तिमोर–लेस्ते
- वियतनाम

पश्चिम एशिया

- बहरीन
- ईरान
- इजराइल
- जॉर्डन
- ओमान
- फिलिस्तीन
- कतर
- सऊदी अरब
- सीरिया
- संयुक्त अरब अमीरात
- यमन

मध्य एशिया

- कर्गीजस्तान
- ताजिकिस्तान
- तुर्कमेनिस्तान
- यूक्रेन
- उज्बेकिस्तान

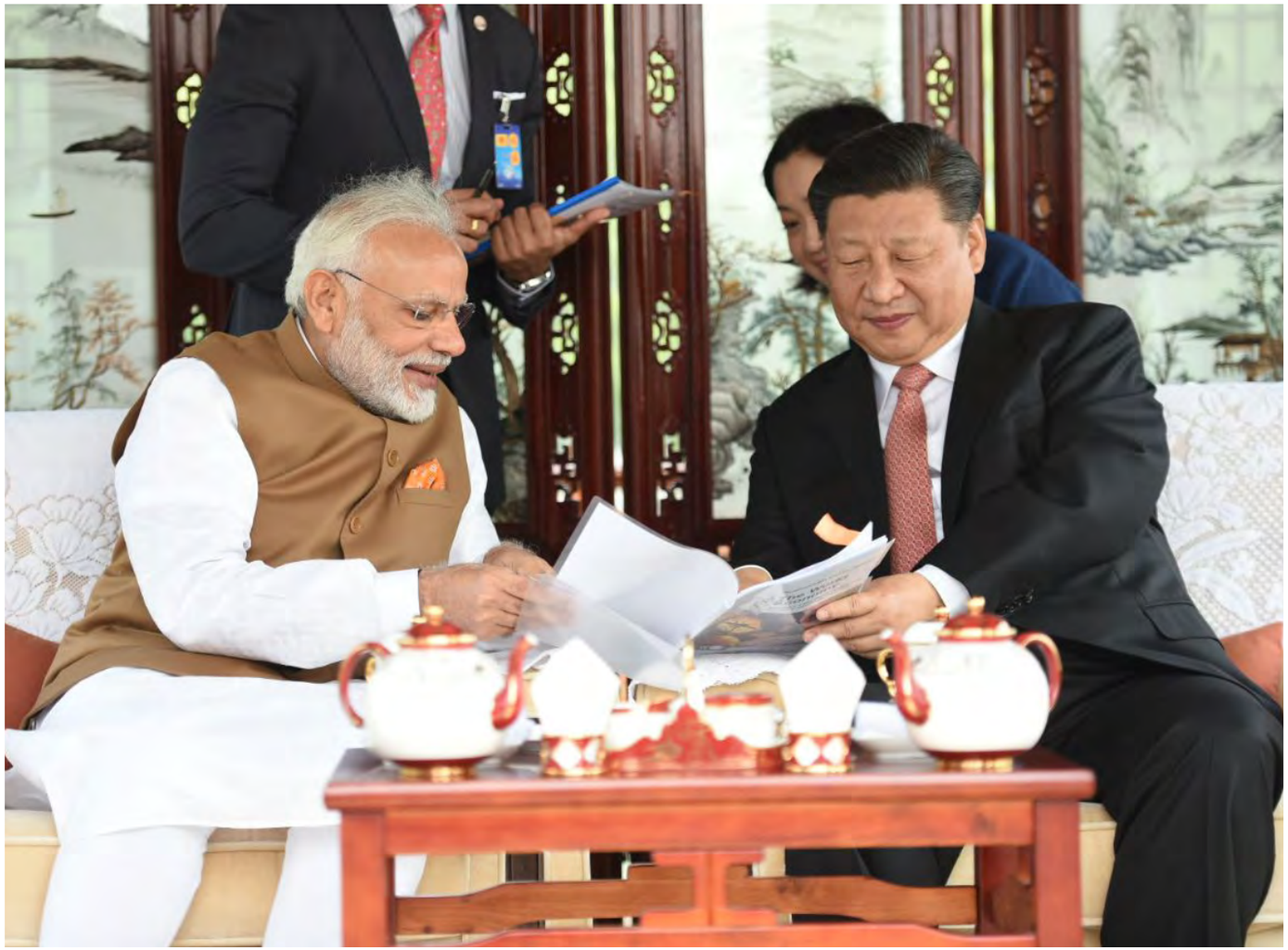

चीन

जापान

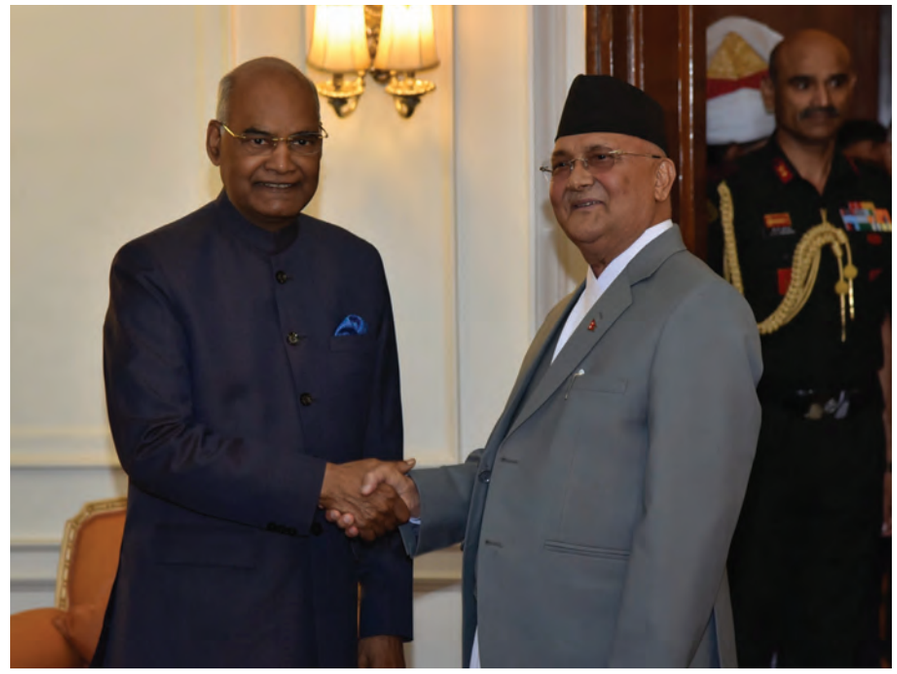

नेपाल

फिलीपींस

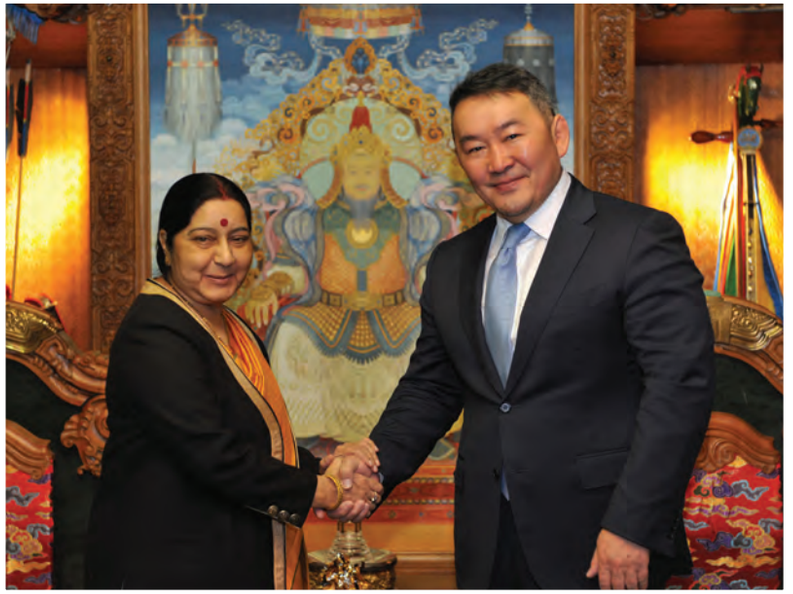

मंगोलिया

ईरान

किर्गीजस्तान

श्रीलंका

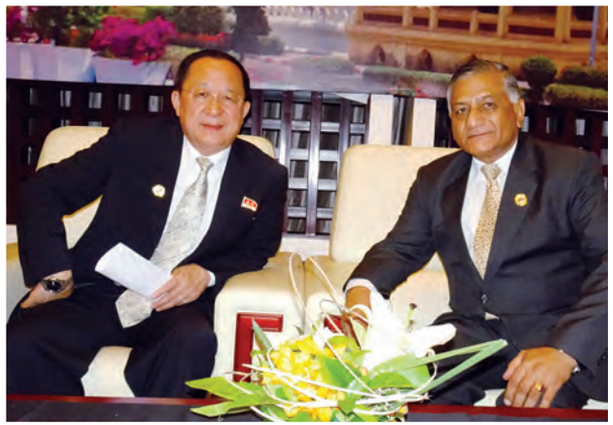

लाओस

संयुक्त राज्य अमीरात

रूस

जिन देशों में गये हम

- आर्मेनिया
- ऑस्ट्रिया
- अजरबेजान
- बेलारूस
- बेल्जियम
- क्रोएशिया
- चेक गणराज्य
- स्टोनिया
- फिनलैण्ड
- फ्रांस
- जर्मनी
- हंगरी
- आयरलैण्ड
- इटली
- लातविया
- लाइचेस्टाइन
- लिथुआनिया
- लक्समबर्ग
- माल्टा
- नीदरलैण्ड
- नॉर्वे
- पोलैंड
- पुर्तगाल
- स्लोवानिया
- स्लोवाकिया
- स्पेन
- स्वीडन
- स्विट्जरलैण्ड
- तुर्की
- ब्रिटेन

यूरोप

नवीन गति

- पश्चिम को जोड़ने की भारतीय नीति में तीव्रता
- यूरोप के साथ कूटनीतिक संबंधों को उच्च स्तरीय द्विपक्षीय यात्राओं से एक नई गति मिली।
- अनेक यूरोपीय देशों में किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली बार यात्रायें।
- यूरोप से विदेशी निवेश में वृद्धि से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को गति मिली, जिसने भारत में व्यापार करने को रेखांकित किया।
- मेक इन इण्डिया, स्किल इण्डिया तथा नमामि गंगे जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय विकास में यूरोपीय देशों की सकारात्मक भागीदारी।
- आतंकवाद का सामना करने तथा साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में भारत तथा यूरोपीय देशों के मध्य रणनीतिक तथा सुरक्षा सहयोग में विस्तार।
- यूरोपीय संघ द्वारा भारत के प्रमुख कार्यक्रमों और विकास एजेंडा को समर्थन।

जिन देशों से आये अतिथि

- आर्मेनिया
- ऑस्ट्रिया
- साइप्रस
- चेक गणराज्य
- बेलारूस
- बेल्जियम
- डेनमार्क
- फिनलैण्ड
- फ्रांस
- जर्मनी
- ग्रीस
- हंगरी
- आइसलैण्ड
- इटली
- लातविया
- लिथुआनिया
- माल्टा
- नीदरलैण्ड
- नॉर्वे
- पुर्तगाल
- सर्बिया
- स्लोवाकिया
- स्पेन
- स्वीडन
- स्विट्जरलैण्ड
- तुर्की
- यूके

जर्मनी

बेलारूस

सर्बिया

फ्रांस

नीदरलैंड

इंग्लैंड

इटली

लिख्टेंशटाइन

फिनलैंड

चेक गणराज्य

जिन देशों में गये हम

- कनाडा
- अमेरिका

उत्तरी अमेरिका

जिन देशों से आये अतिथि

- कनाडा
- अमेरिका

नई संभावनाएँ

- प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अमेरिका के चार दौरों ने भारत–अमेरिकी सम्बन्धों को और अधिक प्रगाढ़ बनाया तथा सभी क्षेत्रों में इसका विस्तार हुआ।
- अमेरिका के प्रमुख रक्षा साझेदार के रूप में भारत को मान्यता।
- नये 2+2 संवाद तन्त्र की स्थापना, जिसमें विदेश मंत्री तथा रक्षामंत्री शामिल होंगे।
- निवेश तथा विनिर्माण के क्षेत्र में कनाडा के साथ समझौतों में प्रगाढ़ता।
- कनाडा से भारत में यूरेनियम की पहली खेप आयी।
- मेक इन इण्डिया, स्किल इण्डिया तथा डिजिटल इण्डिया सहित भारत के अग्रणी राष्ट्रीय पुनरुत्थान के कार्यक्रमों में अमेरिका तथा कनाडा के सहयोग में वृद्धि।

अमेरिका

कनाडा

अमेरिका

अमेरिका

लैटिन अमेरिका

जिन देशों में गये हम

- ब्राजील
- कोस्ता रीका
- इक्वाडोर
- अलसल्वाडोर
- डोमिनिकन गणराज्य
- ग्वाटेमाला
- जमैका
- मैक्सिको
- पनामा
- पेरू
- सूरीनाम
- त्रिनिदाद एवं टोबेगो
- वेनेजुएला

जिन देशों से आये अतिथि

- ब्राजील
- कोलम्बिया
- गुयाना
- मैक्सिको
- जमैका
- सूरीनाम
- उरुग्वे

संबंध तथा साझेदारी

- भारत की ओर से पहली बार लैटिन अमेरिका के बहुत सारे देशों की उच्च स्तरीय यात्रायें की गईं, जिनमे पनामा और ग्वाटेमाला जैसे देश शामिल हैं।
- जुलाई 2014 में कार्यभार सँभालने के कुछ माह बाद ही प्रधानमंत्री मोदी ने ब्राजील का दौरा किया। 11 दक्षिण अमेरिकी देशों के नेताओं के साथ उनकी बैठक से इस क्षेत्र में एक नवीन ऊर्जा का संचार किया।
- भारत तथा लैटिन अमेरिकी देशों के मध्य द्विपक्षीय उच्चस्तरीय दौरों से रणनीतिक सम्बन्ध में प्रगाढ़ता आई।
- भारत और लैटिन अमेरिका दोनों ओर से यात्राओं से रणनीतिक संपर्कों को ओर गहरा करने में मदद मिली।
- भारत तथा लैटिन अमेरिकी देशों के साथ आर्थिक एवं ऊर्जा सहयोग में वृद्धि।

ब्राजील

मैक्सिको

पेरू

वेनेजुएला

उरुग्वे

सूरीनाम

इक्वाडोर

आम जन को लाभ

वर्तमान सरकार के कार्यकाल में विकास के लिए कूटनीति का सहयोग भारतीय विदेश नीति का प्रमुख स्तंभ बना है। पहली बार विदेश मंत्रालय ने राष्ट्रीय विकास के घरेलू कार्यक्रमों को स्वयं अपनाकर आगे बढ़ाया। सरकार के पिछले 4 वर्षों के दौरान भारत के रूपांतरण के लिए बदलाव के एजेंडे को हमारी कूटनीतिक पहल के साथ जोड़ा गया है।

सहयोगी देशों के साथ हमारे सघन सम्पर्क के कारण भारत के लोगों को आर्थिक लाभ मिला और साथ ही विदेशी निवेश और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से देश की सुरक्षा को भी सुदृढ़ किया गया। इन सबसे नये कारखानों को स्थापित करने और रोजगार सृजन में मदद मिली। विकास और समृद्धि के साथ कूटनीति के इस विशिष्ट जुड़ाव से हमे राष्ट्रीय पुनर्जागरण के कार्यक्रमों जैसे– मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, स्मार्ट सिटी, डिजिटल इंडिया और स्टार्ट अप इंडिया के लिए विदेशी सहयोग मिल रहा है। वर्ष 2022 में जब भारत 75वें वर्ष में प्रवेश करेगा तब नया भारत बनाने में इस सहयोग की बहुत प्रभावी भूमिका होगी।

समृद्धि और विकास की कूटनीति
ऊर्जा कूटनीति
निवेश तथा रोजगार
सम्पर्क
डिजिटल इण्डिया
नमामि गंगे
स्मार्ट सिटी
स्टार्ट–अप इण्डिया
स्किल इण्डिया
मेक इन इण्डिया

समृद्धि के नये आयाम

अभूतपूर्व कूटनीतिक पहल दिखाते हुए हमने अपने सहयोगी देशों, जहाँ फॉर्चून 500 कंपनियां स्थित हैं, से पर्याप्त वित्तीय विकास सहायता प्राप्त करने की प्रतिबद्धता हासिल की

वित्तीय प्रतिबद्धताएं

यूएई
$75
बिलियन

जापान
$33
बिलियन

चीन
$22
बिलियन

दक्षिण कोरिया
$10
बिलियन

यूके
$10
बिलियन

भारत के नागरिकों को लाभ

फ्रांस

सऊदी अरब

जर्मनी

नीदरलैंड

स्विटजरलैंड

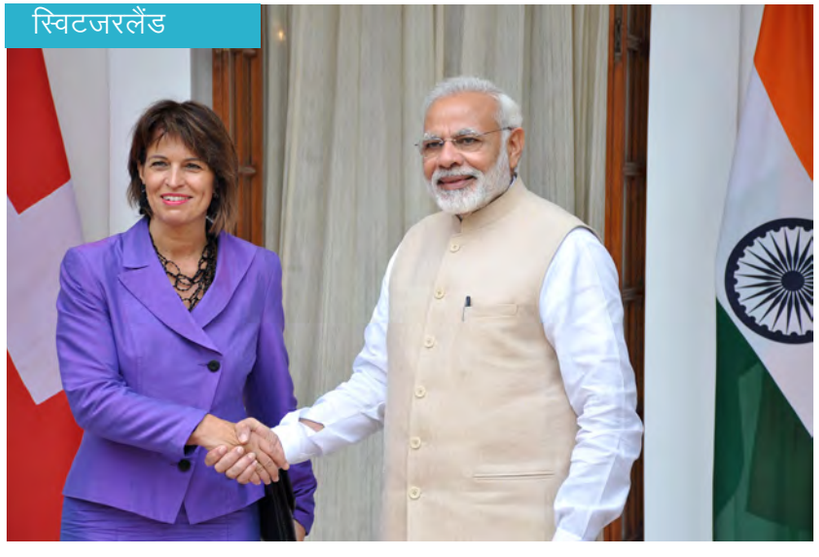

स्पेन

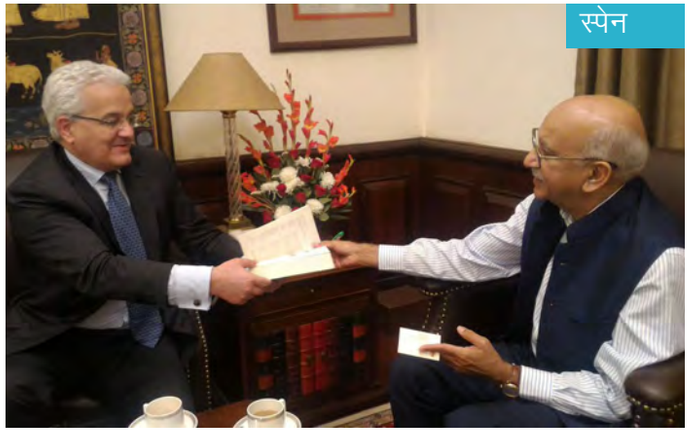

समृद्धि के नये आयाम

विदेश यात्राओं के दौरान सीईओ तथा उद्योगपतियों से वार्ता करते हुये प्रधानमंत्री मोदी तथा विदेश मंत्री सुषमा स्वराज

भारत–अमेरिका व्यापारिक फोरम

भारत–स्पेन व्यापारिक फोरम

आम जन को लाभ

भारत–स्वीडन सीईओ फोरम

ईस्टर्न इकनॉमिक फोरम

भारत–जापान व्यापार प्रमुखों का फोरम

मेक इन इण्डिया

- विदेशी निवेशकों को प्रेरित करने के लिए विनिर्माण की इकलौती सबसे बड़ी पहल।
- भारत में निर्माण सुविधाएं उपलब्ध कराकर विदेशी कंपनियों के साथ संयुक्त उपक्रम।
- नई प्रौद्योगिकी को लेकर अतिरिक्त रोजगार का सृजन
- आयुधों के आयात पर भारत की निर्भरता को कम करना

> सिंह नव भारत का प्रतीक है। वह दहाड़ता है लेकिन उसका संदेश मित्रता और भारत के 1.25 बिलियन लोगों की ओर से साझेदारी का आश्वासन भी होता है।
>
> –2015 में हेनोवर मेसे में प्रधानमंत्री मोदी।

रोजगार सृजन की ओर बढ़ते कदम

सहयोगी देश

फ्रांस

एल एंड टी तथा फ्रांस की कंपनी अरेवा जैतापुर परमाणु संयंत्र के स्वदेशीकरण की दिशा में कार्य करेगी।

सैन्य परिवहन एयरक्रॉफ्ट तथा हेलीकॉप्टर हेतु फ्रांस की एयरबस असेम्बली लाइन।

टाटा तथा एयरबस संयुक्त रूप से सी–295 परिवहन एयरक्राफ्ट का निर्माण करेंगे।

महिन्द्रा तथा एयरबस द्वारा हेलीकॉप्टरों का संयुक्त रूप से निर्माण

जापान

112 बिलियन डॉलर की जापान–मेक इन इण्डिया विशेष वित्त सुविधा की शुरुआत

यूनाईटेड किंगडम

'वोडाफोन द्वारा डिजिटल इण्डिया' तथा 'मेक इन इण्डिया' में 1.3 बिलियन डॉलर का निवेश

जर्मनी

विनिर्माण के क्षेत्र में जर्मनी की फ्राउनहॉफर सोसायटी के साथ सहयोग

स्कैंडेनेविया

एबीबी द्वारा एशिया और अफ्रीका को निर्यात और निर्माण के केन्द्र के रूप में भारत को चुनना।

मेक इन इंडिया के लिए स्कैंडेनेवियाई देशों द्वारा समर्थन

अमेरिका

बोइंग द्वारा संयुक्त उद्यम के अन्तर्गत एएच–64 अपाचे हेलीकॉप्टर के लिए एयरो ढ़ांचे का निर्माण

बोइंग और लॉकहीड मार्टिन द्वारा एयरोस्पेस क्षेत्र में संयुक्त विकास

रूस

परमाणु ऊर्जा संयंत्र को भारत में स्थापित करने में रूस द्वारा सहायता उपलब्ध कराना

भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से भारत में 200 कामोव–226 हेलीकॉप्टरों का संयुक्त निर्माण

कुशल भारत

ऑस्ट्रेलिया

मिशन 2022: चालीस करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित करना

सिंगापुर

भारतीय युवाओं को अधिकार संपन्न बनाना

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

कुशल श्रम शक्ति का निर्माण करना

इंग्लैंड

विश्व की मानव संसाधन पूंजी को बढ़ाना

मलेशिया

सहयोगी राष्ट्र

यूके, जर्मनी, कनाडा, सिंगापुर, चीन, इजरायल और अन्य देशों ने स्किल इंडिया कार्यक्रम और कौशल विकास केन्द्रों की स्थापना में सहयोग कर हमारे युवाओं के सशक्तिकरण में अपना योगदान दिया।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने 22 संगठनों का सम्मान किया जिन्होंने अपने इंटर्न को प्रशिक्षण हेतु जापान भेजने पर अपनी सहमति दी। इसका पहला जत्था जापान में तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए भेजा जा रहा है। इस कार्यक्रम से वह जापानी उद्योग और व्यवसायों में प्रयुक्त होने वाले कौशल का अधिकतम पांच वर्ष का अनुभव हासिल कर सकेंगे।

युवा सशक्तिकरण

भारत की राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद और कनाडा के 13 प्रमुख संस्थानों के बीच सहयोग।

जापान–भारत कौशल विकास सहयोग

30,000

अगले 10 वर्षों में 30,000 भारतीय युवाओं को जापानी विनिर्माण के कौशल का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जापान भारत विनिर्माण संस्थान स्थापित किया जाएगा

10,000

10,000 प्रतिभाशाली भारतीय युवाओं को जापान में कौशल विकास के लिए भेजा जाएगा।

नई दिल्ली में 14वें भारत–ईयू शिखर वार्ता में यूरोपीय परिषद् के अध्यक्ष डोनाल्ड टस्क और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष जीन क्लॉड जंकर के साथ अक्टूबर 2017 में प्रधानमंत्री मोदी।
(दाएं) नई दिल्ली में इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ जनवरी 2018 में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज।

ऊर्जा सुरक्षा

2019 तक सभी को बिजली पहुंचाने और ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए किए जा रहे घरेलू प्रयासों को मदद देने के लिए ऊर्जा सम्पन्न राष्ट्रों के साथ कूटनीतिक पहल की गई।

परमाणु ऊर्जा

जापान

रूस

कज़ाख़स्तान

कनाडा

(बायें से) जनवरी 2018 में नई दिल्ली में अन्तर्राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संगठन के संस्थापन सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैन्युअल मैंक्रों के साथ प्रधानमंत्री मोदी ; (नीचे) 2015 में पेरिस, फ्रांस में विश्व जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी 21) में प्रधानमंत्री मोदी

- कूटनीतिक पहल से ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता तथा सभी घरों में बिजली पहुँचाने की दिशा में घरेलू प्रयासों को संबल प्रदान किया गया। भारत के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संगठन (आईएसए) के महत्त्वपूर्ण समर्थन को गति दी गयी। इससे सौर ऊर्जा नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन में वृद्धि होगी। इस प्रकार लाखों भारतीयों तक स्वच्छ ऊर्जा पहुँचेगी।
- आईएसए के प्रथम सम्मेलन में 11 मार्च, 2018 को 121 सौर ऊर्जा परियोजनाओं के विकास का अनुमोदन किया गया।
- राजनयिक दौरों से नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन में वृद्धि हेतु तकनीकी तथा वित्तीय सहयोग प्राप्त हुआ। इससे प्रदूषण में कमी होगी और जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

ऊर्जा सुरक्षाः हाइड्रोकार्बन

सऊदी अरब

ईरान

रूस

- भारत के एस्सार ऑयल में हित नियंत्रण (कंट्रोलिंग स्टेक) के लिए रोसनेफ्ट का 12.9 डॉलर का निवेश
- तुर्कमेनिस्तान–अफगानिस्तान–पाकिस्तान–भारत (तापी) पाईपलाइन का निर्माण कार्य प्रारंभ
- ओवीएल, वेंकोर्नेफ्ट परियोजना में रोसनेफ्ट से 15 प्रतिशत शेयर हासिल करेगी।
- संयुक्त अरब अमीरात की सहायता से रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार
- भारत और सऊदी अरब के बीच पेट्रोरसायन कॉम्प्लेक्स में संयुक्त उद्यम और भारत सऊदी अरब और अन्य तीसरे देश में संयुक्त अन्वेशण
- ईरान में फरजाद–बी गैस क्षेत्र के विकास के लिए बातचीत

तीव्र गति पर रेलवे में परिवर्तन

जापान भारत की पहली बुलेट ट्रेन का निर्माण करेगा।

मुम्बई-अहमदाबाद

- हाई–स्पीड रेल लिंक से यात्रा का समय सात घंटे से घटकर मात्र दो घंटे रह जाएगा।
- इसका निर्माण कार्य 2018 से आरंभ होगा और वर्ष 2023 तक यह रेला सेवा परिचालन में आ जायेगी।

(बायें) रेल मंत्री पीयूष गोयल भारत में जापान के राजदूत केनजी हिरामात्सू के साथ।

मेट्रो संपर्क

फ्रांस, जापान के साथ मिलकर बेंगलुरू, कोच्चि तथा नागपुर मेट्रो

बैंगलुरू तथा नागपुर मेट्रो के लिए जर्मनी से 500 मिलियन यूरो की ऋण सहायता

जापान के साथ दिल्ली–मुम्बई रेल गलियारे का द्वितीय चरण

लखनऊ मेट्रो के लिए यूरोपियन इंवेस्टमेंट बैंक से 450 मिलियन यूरो की सहायता

चेन्नई मेट्रो प्रोजेक्ट (**IV**) और अहमदाबाद मेट्रो (**I**) के लिए 100 बिलियन येन से अधिक की जापानी सहायता

अप्रैल 2018 में बिहार के मोतीहारी में फ्रांसीसी कंपनी एल्सटोम द्वारा निर्मित मधेपुरा विद्युत लोकोमोटिव कारखाने का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी

स्मार्ट सिटीः शहरी विकास

फ्रांस
चंडीगढ़ • नागपुर • पुडुचेरी

यूके
इंदौर • पुणे • अमरावती

अमेरिका
विशाखापट्टनम • इलाहाबाद • अजमेर

जर्मनी
कोच्चि • कोयम्बटूर • भुवनेश्वर

सिंगापुर
अमरावती

नीदरलैंड
नई दिल्ली में बारापूला नाले की सफाई

जनवरी 2018 को नई दिल्ली स्मार्ट सिटी फोरम में आवास और शहरी कार्यों के राज्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी

मलेशिया
विश्व स्तरीय कंवेन्शन सेन्टर

स्टार्ट–अप इण्डियाः सपनों की उड़ान

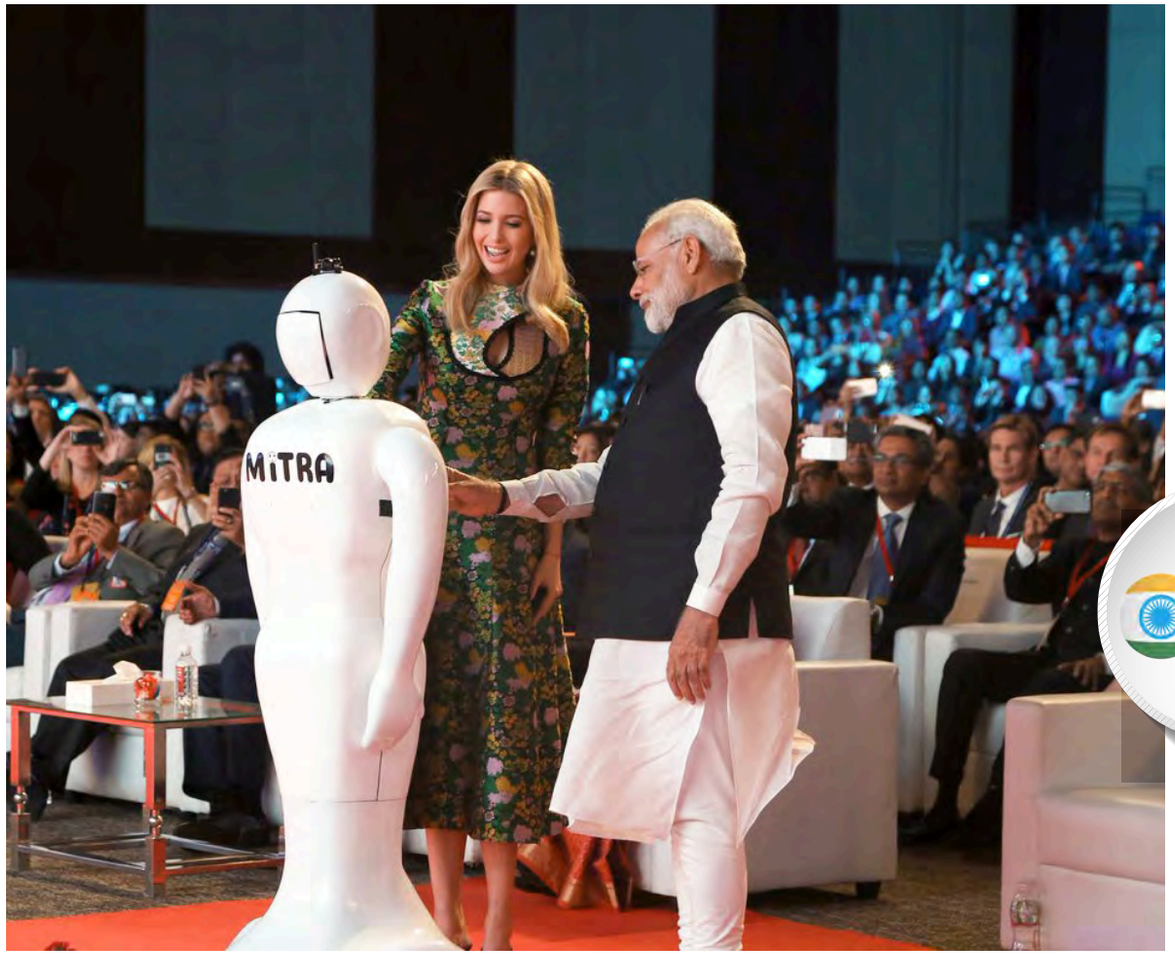

(घडी की दिशा में बायीं ओर से) 2017 में हैदराबाद में ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट में अमेरिका के राष्ट्रपति की सलाहकार ईवांका ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री मोदी; 2017 में इजराइल में डोर में गेल मोबाइल प्रौद्योगिकी द्वारा स्वचालित जल संशोधन संयंत्र को दिखाते समय इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी; सितम्बर 2015 में सेनहोसे, कैलिफोर्निया में भारत–अमेरिका स्टार्ट अप कनेक्ट प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री मोदी।

- हमारे प्रयासों ने पूँजी तथा तकनीक का समावेश करके भारत को विश्व के स्टार्ट–अप मानचित्र पर ला खड़ा किया है।
- इस दिशा में हमने अमेरिका, इजराइल, सिंगापुर, फ्रांस तथा जर्मनी के साथ स्टार्ट–अप के क्षेत्र में मिलकर उद्यमों की नींव रखी।

डिज़िटल इण्डियाः नये आयाम

- कूटनीतिक सफलताओं के कारण जैम (जन–धन, आधार, मोबाइल) के माध्यम से डिजिटल कनेक्टिविटी तथा वित्तीय समावेशन में बढ़ोत्तरी।
- अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, इजराइल तथा मलेशिया के साथ डिजिटल साझेदारी।

(घड़ी से बायें की ओर) नई दिल्ली में 2017 में साइबर स्पेस पर वैश्विक सम्मेलन में श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रम सिंघे और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रवि शंकर प्रसाद के साथ प्रधानमंत्री मोदी। नई दिल्ली 2018 में भारत और इजरायल के बीच साइबर सुरक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन के हस्ताक्षर के समय इजरायल के प्रधानमंत्री के साथ प्रधानमंत्री मोदी।

नमामि गंगेः जीवनदायिनी नदी का पुनर्रुद्धार

जापान, ब्रिटेन, बेल्जियम, नीदरलैड, जर्मनी, इजराइल, ऑस्ट्रेलिया तथा यूरोपीय संघ समेत कई देशों के साथ व्यापक कूटनीतिक विचार–विमर्श ने पवित्र गंगा नदी के पुनर्रुद्धार के लिए प्रौद्योगिकी, तकनीक, विशेषज्ञता और धन जुटाने में मदद मिली है।

टेम्स–गंगा साझेदारी

भारत–ईयू जल साझेदारी

संपर्क मार्गों से जुड़ा हुआ भविष्य

चाबहार: तीव्र पथ पर

भारत द्वारा ईरान के चाबहार बंदरगाह का विकास। इसके माध्यम से समुद्र–भूमि सम्पर्क उपलब्ध करवाने के लिए ईरान व अफगानिस्तान के साथ भारत का त्रिपक्षीय समझौता ज़बरदस्त परिवर्तन लाएगा।

बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल (बीबीआईएन)

त्रिमार्गीय राजमार्ग

(दायें से शीर्ष) बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल के परिवहन मंत्रियों के साथ सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी। इन्होंने बीबीआईएन मोटर वाहन समझौता (एमवीए) को मंजूरी दी; (दायें) नई दिल्ली 2016 में भारत म्यांमार थाईलैंड मित्रता मोटर कार रैली को झंडी दिखाते हुए सड़क परिवहन और राज्यमार्ग के राज्य मंत्री मनसुख लाल मंडाविया

सर्वजन हिताय–सर्वजन सुखाय

सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र को विदेश नीति के क्षेत्र में आगे बढ़ाते हुए भारत ने अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका तथा पूर्वी यूरोप के देशों के साथ धन, तकनीक तथा विशेषज्ञता के क्षेत्र में साझेदारी की है, जिसके कारण क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ा है। दक्षिण–दक्षिण एकजुटता की भावना से भारत ने एल ओ सी तथा अनुदान के माध्यम से पारस्परिक विकास के लिए अपने सहयोगियों को आर्थिक सहायता भी दी है।

(ऊपर) मई–2017 में गांधीनगर, गुजरात में अफ्रीकी विकास बैंक (एएफडीबी) की वार्षिक बैठक के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी (दाएं) अप्रैल–2018 में उलानबातर में मंगोलियाई विदेश मंत्री के साथ विदेश मंत्री सुषमा स्वराज।

भारत द्वारा सहयोगी देशो के विकास में साझेदारी

500 करोड़
सीएमएलवी (कंबोडिया, म्यांमार, लाओस, वियतनाम) देशों में विनिर्माण केंद्रों के लिए संचित निधि

$1 बिलियन
आसियान के भौतिक और डिजिटल संपर्क हेतु

$1 बिलियन
अफ्रीका को एल ओ सी

$600 मिलियन
अफ्रीका के लिए अनुदान सहायता, जिसमें भारत-अफ्रीका विकास निधि और भारत-अफ्रीका स्वास्थ्य निधि सम्मिलित है

$1 बिलियन
अफगानिस्तान को अतिरिक्त अनुदान

$4.5 बिलियन
बांग्लादेश में विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए

$1 बिलियन
भूकंप प्रभावित नेपाल के पुनर्निर्माण हेतु

$500 मिलियन
वियतनाम के लिए एल ओ सी

5000 करोड़

भूटान की 11वीं पंचवर्षीय योजना के लिए 5000 करोड़ रुपए की निरंतर सहायता के साथ भारत ने अपनी सबसे बड़ी सामाजिक–आर्थिक विकास की साझेदारी को जारी रखा है।

(शीर्ष बाएं से घड़ी की सुई की दिशा में) नई दिल्ली में भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक के साथ नवंबर 2017 में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज; श्रीलंका के जाफना में इलावलाई उत्तर–पश्चिम आवास परियोजना स्थल पर घरों को सौंपने के अवसर पर मार्च 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी; विदेश मंत्री सुषमा स्वराज द्वारा भूकंप प्रभावित नेपाल के पुनर्निर्माण के लिए 1 बिलियन डॉलर सहायता की घोषणा। म्यांमार की स्टेट काउंसलर आंग सान सू ची के साथ ने पी तौ में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जुगनॉथ के साथ मई 2017 में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज।

(दायें) ताजिकिस्तान के विदेश मंत्री के साथ विदेश राज्यमंत्री एम. जे. अकबर; सैन जोस में कोस्टा रिका के विदेश मंत्री मैन्युएल गोंजालेज संज के साथ विदेश राज्यमंत्री वी. के. सिंह।

(शीर्ष बाएं से घड़ी की सुई की दिशा में) मई–2018 में नई दिल्ली में इथोपिया के विदेश मंत्री वर्कने गेबेयेहु के साथ विदेश मंत्री सुषमा स्वराज; जनवरी–2018 में नई दिल्ली में पीएम मोदी ने अपने कंबोडियन समकक्ष हुन सेन के साथ; अक्टूबर–2015 में रामल्लाह, फिलिस्तीन में राउंडबाउट–मिदान–ए–अल–हिंद के उद्घाटन के अवसर पर राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी।

विश्व मंच पर भारत

सक्रिय एवं दायित्वपूर्ण

सक्रिय, व्यावहारिक और जिम्मेदाराना – भारत की यह सोच विश्व मंच पर भारत की भूमिका को परिभाषित करती है। जब हम बहुपक्षीय बैठकों में भाग लेते हैं तब हम उभरती हुई अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था में भारत की नई सोच को दर्शाते हैं, जिसके कारण भारतीय कूटनीति की शैली तथा ठोस तथ्य उभरकर आते हैं। भारत बहुपक्षीय और सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया का समर्थक बनकर उभरा है। प्राचीन सभ्यता के विवेक और अपने राष्ट्रीय विकास की प्राथमिकताओं को भारत ने अपना मूल मंत्र बनाया है। विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर भारत ने अपनी आवाज बड़े ही संतुलित, सारगर्भित और नैतिकता के आधार पर उठाई है जो विभिन्न चुनौतियों जैसे– आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, जलदस्यु और महामारी से निपटने तथा वैश्विक शासन व्यवस्था के ढांचे का पुनर्निमाण करने जैसे विषयों पर हमारे विचारों को अभिव्यक्त करती है।

(शीर्ष) मनीला में पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में नेताओं के साथ नवंबर 2017 में प्रधानमंत्री मोदी। अजरबैजान की राजधानी बाकू में अप्रैल 2018 में गुटनिरपेक्ष आंदोलन के मंत्री स्तरीय सम्मेलन में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज।

भारत में विश्व की मेज़बानी

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन

सौर क्रांति की ओर

> हम न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में भी सौर क्रांति चाहते हैं। प्रचुर मात्रा में उपलब्ध वायु की तरह उपलब्ध सौर ऊर्जा का विकास और उपयोग न केवल हमारी समृद्धि में वृद्धि करेगा बल्कि पृथ्वी में कार्बन की उपस्थिति को भी कम करेगा।
>
> –नई दिल्ली में 11 मार्च, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के संस्थापक सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी।

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान आसियान के तीन सहयोगी विदेश मंत्रियों के जन्मदिन का जश्न मनाया।

भारत महासागरों और समुद्रों के लिए नियम-आधारित व्यवस्था के माध्यम से आसियान की शांति और समृद्धि की परिकल्पना करता है।

—नई दिल्ली में 25 जनवरी, 2018 को आसियान–भारत मैत्री रजत जयंती शिखर सम्मेलन के पूर्ण सत्र में प्रधानमंत्री मोदी।

भारत में विश्व की मेज़बानी

ब्रिक्स

वैश्विक शासन में सुधार

आतंकवाद, चाहे वह किसी भी रूप या आकार में हो वह मानवता के प्रतिकूल है। आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता होनी चाहिए। समस्त मानवताजाति को एकजुट होना चाहिए और आतंकवादी ताकतों को अलग-थलग करना चाहिए, विशेषकर उन देशों में जो मूल मानदंडों की अवज्ञा करते हैं। आतंकवाद को विभिन्न रूपों में रखकर उसका मुकाबला नहीं किया जा सकता।

—गोवा में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान अक्टूबर 2016 में प्रधानमंत्री मोदी।

इस क्षेत्र में ब्रिक्स–बिम्सटेक की साझेदारी लाखों लोगों को लाभान्वित करेगी। ब्रिक्स और बिम्सटेक के मध्य सहयोग और साझेदारी की भावना परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण कारक हो सकती है।

–अक्टूबर 2016 में गोवा में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी।

बिम्सटेक

दक्षिण और दक्षिण–पूर्व एशिया को जोड़ना

भारत में विश्व की मेज़बानी

हार्ट ऑफ एशिया

आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता

बढ़ती हुई आतंकवादी हिंसा हमारे समूचे क्षेत्र के लिए एक खतरा है। ऐसी स्थिति में अकेले अफगानिस्तान में शांति की स्थापना काफी नहीं है... अफगानिस्तान और हमारे पूरे क्षेत्र में आतंकवाद के खिलाफ मौन और निष्क्रियता केवल आतंकवादियों और उन्हें पनाह देने वालों को प्रोत्साहित करती है।

—अमृतसर में 'हार्ट ऑफ एशिया' मंत्री स्तरीय वार्ता के दौरान दिसम्बर 2016 में प्रधानमंत्री मोदी।

भारत–प्रशांत द्वीपसमूह सहयोग मंच

इस शताब्दी के लिए भारत और प्रशांत द्वीपसमूह देश साझेदारी का एक उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। यह साझेदारी समान आकांक्षाओं और चुनौतियों पर आधारित है। इसकी स्थापना इस अवधारणा के साथ की गई है, कि विश्व में छोटे और बड़े सभी देशों के एक समान हित हैं।

—भारत–प्रशांत द्वीपसमूह सहयोग मंच के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी।

भारत में वैश्विक आयोजन

आईएएफएस–III पारस्परिक विकास को प्रोत्साहित करना

> आज हम यह शपथ लेते हैं कि हम एक आवाज और आपसी सद्भाव से एक साथ कदम बढ़ाते हुए आगे चलेंगे। यह कोई नई यात्रा या नई शुरूआत नहीं है। यह हमारे प्राचीन संबंधों को भविष्य में ले जाने का एक नया आश्वासन है।
>
> – अक्टूबर, 2015 में तृतीय भारत–अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी।

भारत द्वारा विदेशों में किये गये आयोजन

भारत–प्रशांत द्वीपसमूह सहयोग मंच

ऐतिहासिक संबंधों को पुनः सुदृढ़ करना

भारत–नॉर्डिक शिखर वार्ता: प्रौद्योगिकी और तकनीकी के क्षेत्र में नयी खोजें

बहुपक्षीय बैठकों में भारत

बहुपक्षीय शिखर सम्मेलन	स्थान	वर्ष
पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन	म्यांमार	नवंबर, 2014
	कुआलालांपुर	नवंबर, 2015
	लाओस	सितंबर, 2016
	फिलीपींस	नवंबर, 2017
जी–20 शिखर सम्मेलन	ऑस्ट्रेलिया	नवंबर, 2014
	तुर्की	नवंबर, 2015
	चीन	सितंबर, 2016
	जर्मनी	जुलाई, 2017
सार्क शिखर सम्मेलन	नेपाल	नवंबर, 2014
ब्रिक्स शिखर सम्मेलन	ब्राजील	जुलाई, 2014
	रूस	जुलाई, 2015
	चीन	सितंबर, 2017
भारत–प्रशांत द्वीपसमूह सहयोग मंच	फिजी	नवंबर, 2014
गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन	वेनेजुएला	नवंबर 2016
सीओपी 21	फ्रांस	दिसंबर, 2015
परमाणु सुरक्षा शिखर सम्मेलन	यूएस	अप्रैल, 2016
शंघाई सहयोग संगठन	ताजिकिस्तान	सितंबर, 2014
	रूस	जुलाई, 2015
	उज्बेकिस्तान	जून, 2016
	कज़ाख़स्तान	जून, 2017
राष्ट्रमंडल शिखर सम्मेलन	यूके	अप्रैल, 2018

(ऊपर) बाकू में 'हार्ट ऑफ एशिया' मिनिस्टेरिअल कॉन्फ्रेंस के दौरान दिसम्बर 2017 में विदेश राज्यमंत्री एम. जे. अकबर।
(नीचे) बीजिंग में शंघाई सहयोग संगठन के देशों के विदेश मंत्रियों के साथ अप्रैल 2017 में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज।

बहुपक्षीय बैठकों में भारत

राष्ट्रमंडल

साझे भविष्य की ओर

परमाणु प्रसार पर नियंत्रण

> भारत सुदृढ़ संस्थागत ढांचे, स्वतंत्र नियामक अभिकरण और प्रशिक्षित एवं विशेषज्ञ जनशक्ति के माध्यम से परमाणु सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।
>
> –वाशिंगटन में परमाणु सुरक्षा सम्मेलन के दौरान सितंबर 2016 में प्रधानमंत्री मोदी।

बहुपक्षीय बैठकों में भारत

सीओपी 21

हरित विश्व, हरित सोच

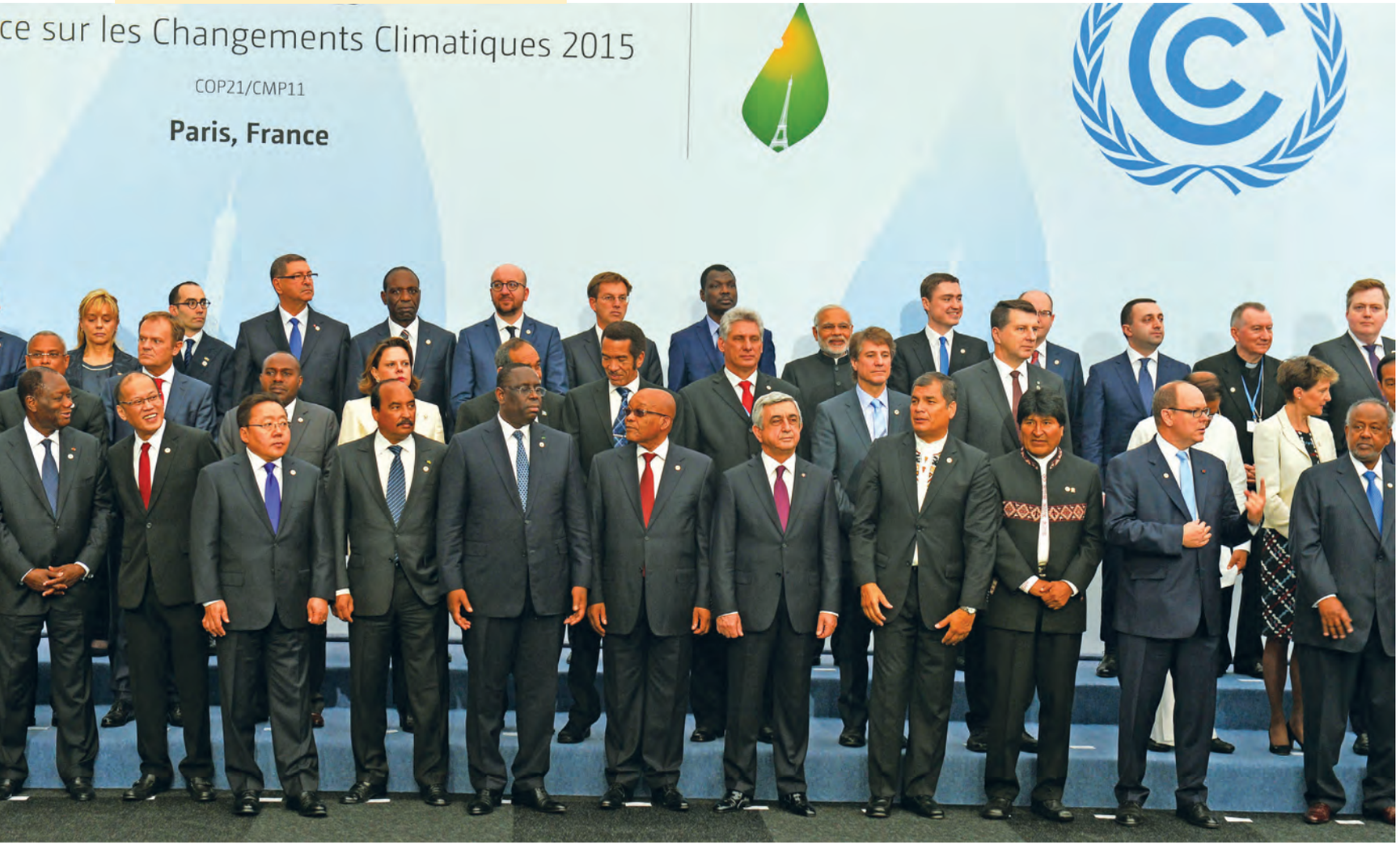

> न्यायसंगत जलवायु व्यवस्था यह अपेक्षा करती है, कि हमारे पास उपलब्ध सीमित कार्बन के रहते विकासशील देशों को विकसित होने के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध होने चाहिए... हमें ग्रीन कलाइमेट फंड को बढ़ाने की आवश्यकता है।
>
> –दिसम्बर, 2015 में पेरिस में सीओपी 21 में प्रधानमंत्री मोदी।

बिम्सटेक

क्षेत्रीय एकजुटता

वैश्विक नीति निर्धारण में भारत की भूमिका

भारत की वैश्विक छवि को नये आयाम दिये गये

भारत की सक्रिय व कुशल कूटनीति विश्व पटल पर हमारे बढ़ते प्रभाव व भूमिका को दर्शाती है। आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, परमाणु प्रसार और काला धन जैसे वैश्विक समस्याओं वाले विषयों की कार्यसूची तैयार करने में भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछले चार वर्षों में आतंकवाद के प्रायोजकों और आतंक फैलाने वाली ताकतों को अलग–थलग करने के भारत के सतत प्रयासों को अंतर्राष्ट्रीय समर्थन मिला है। हैमबर्ग में आयोजित जी–20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी की 11 सूत्रीय कार्य योजनाओं को सभी पक्षों से व्यापक समर्थन मिला। असंतुलित आर्थिक विकास को संतुलित करने के लिए भारत ने आगे बढ़कर काले धन को समाप्त करने के लिए वैश्विक सहयोग पर जोर दिया। भारत के परमाणु अप्रसार की दिशा में किए गए प्रयासों की पुष्टि के रूप में भारत को तीन वैश्विक परमाणु अप्रसार व्यवस्थाओं के सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। यह एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में भारत के प्रति विश्व के बढ़ते हुए विश्वास का परिचायक है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा को 2014 में प्रधानमंत्री मोदी ने तथा 2015, 2016 व 2017 में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने संबोधित किया

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

पेरिस

न्यूयॉर्क

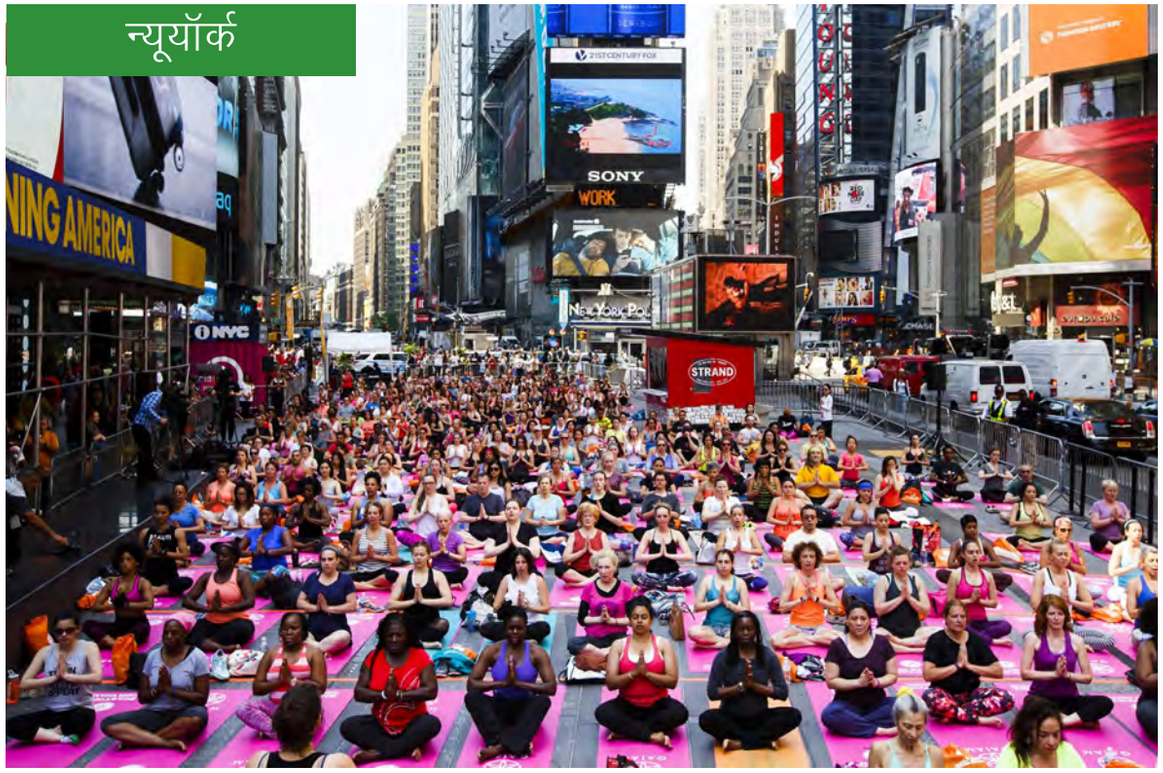

शंघाई

वियना

संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री मोदी के 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में स्वीकार करने के प्रस्ताव को सितम्बर 2014 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने एक मत से स्वीकारा। इसे 177 देशों द्वारा सहप्रस्तावित किया गया और इसे 75 दिनों के रिकॉर्ड समय में निर्विरोध पारित किया गया। इसके बाद विश्वभर में योग दिवस का आयोजन किया जाने लगा।

कालाधन के विरूद्ध वैश्विक सहमति बनाना

कालाधन की रोकथाम करना अब एक वैश्विक चुनौती बन गयी है। इससे भारत को करोड़ो डॉलर संरक्षित करने में सहायता मिली है, जिसे अवैध तरीके से विदेशों में छिपाया जा सकता था। प्रधानमंत्री मोदी ने काले धन की वापसी के लिए वैश्विक सहयोग को बढ़ाने के मुद्दे पर बल दिया है। जी–20 की विभिन्न घोषणाओं में बेस इरोज़न और प्रॉफिट शेयरिंग कार्य योजना पर भारत के प्रस्ताव को परिलक्षित किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय सौर संगठनः कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना

“अंतर्राष्ट्रीय सौर संगठन एक ऐसा पहला अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन है जिसका मुख्यालय भारत में स्थित है। इसके माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सौर संगठन न केवल भारत की बहुपक्षीय मंचो में दृढ़ आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह एक बेहतर, टिकाऊ और खुशहाल भविष्य के प्रति भी समर्पित है।”

–अंतर्राष्ट्रीय सौर संगठन के प्रथम अधिवेशन में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज, मार्च 2018

आंतकवाद के ख़िलाफ प्रधानमंत्री मोदी की 11 सूत्रीय कार्य योजनाएं

सीमापार से प्रायोजित आतंकवाद पर चिन्ता प्रकट करते हुए तथा इस बुराई का संयुक्त रूप से सामना करने के लिए हैम्बर्ग में जी–20 देशों के नेताओं द्वारा वक्तव्य जारी किए गए। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद को समाप्त करने के लिए अपनी ओर से 11 सूत्रीय प्रस्ताव रखा।

1. आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले देशों के विरूद्ध जी–20 देशों द्वारा निर्णायक कार्यवाई की जाए।
2. जी–20 सदस्य देशों के बीच संदिग्ध आतंकवादियों की राष्ट्रीय सूची का आदान–प्रदान किया जाए।
3. नामित आतंकवादियों और उनके समर्थकों के विरुद्ध संयुक्त कार्यवाई की जाए।
4. आतंकवादियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाई में सहयोग के लिए प्रत्यर्पण जैसी विधिक प्रक्रियाओं को सरल एवं सुगम बनाया जाए।
5. अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद संबंधी व्यापक अभिसमय को शीघ्र स्वीकार किया जाए।
6. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के संकल्पों और अंतर्राष्ट्रीय प्रक्रियाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जाए।
7. जी–20 के सदस्य देशों द्वारा कट्टरता को दूर करने और बेहतर व्यवहारों के आदान–प्रदान की दिशा में संयुक्त प्रयास किये जाएं।
8. वित्तीय कार्यवाई दल (एफएटीएफ) और अन्य माध्यमों से आतंकवाद को पोषित करने वाले वित्तीय स्रोतों पर प्रभावकारी कार्यवाई करते हुए इन्हें बंद किया जाए।
9. एफएटीएफ की तर्ज पर हथियार और गोला बारूद पर कार्रवाई करने हेतु कार्यबल (डब्ल्यूईएटीएफ) का गठन किया जाए, ताकि आतंकवादियों के खतरनाक हथियारों की आपूर्ति के स्रोतों को पूर्णतया बंद किया जा सके।
10. आतंकी गतिविधियों पर केन्द्रित साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में जी–20 देशों के बीच ठोस सहयोग को बढ़ाया जाए।
11. जी–20 देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के बीच आतंकवाद रोधी तंत्र गठित किया जाए।

उनके इस प्रस्ताव को सभी नेताओं की ओर से पुरजोर समर्थन दिया गया।

सुशासन

वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट

"विचारों की गति के समान प्रौद्योगिकी भी गतिशील हो रही है। प्रौद्योगिकी वैश्विक परिवर्तन का एक बड़ा माध्यम बन गयी है। इसने आम आदमी को कई अधिकार दिए हैं। e–शासन में 'ई' शब्द के पाँच अर्थ हैं–

effective (प्रभावी)

efficient (कार्यकुशल)

easy (सरल)

empower (सशक्त)

equity (निष्पक्ष)

सुशासन स्थापित करने के लिए आम आदमी की जिंदगी में सरकार का कम से कम हस्तक्षेप होना चाहिए"

–दुबई में आयोजित विश्व की सरकारों के छठे शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी को मुख्य अतिथि के रूप में 11 फरवरी, 2018 को सम्मानित किया गया।

भारत में व्यापार के अवसर

“हम एक ऐसे नवीन भारत का निर्माण कर रहे हैं, जहाँ हम एक साथ मानवता, जीवन की बेहतर गुणवत्ता के लिए उत्तम प्रशासन और बेहतर सुख-सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह मात्र एक संयोग नहीं है, बल्कि यह भारतीयों के सतत संघर्षों का ही परिणाम है कि उन्हें वह मिले जिसके वे हकदार हैं और हम उन्हें यह उनकी अपेक्षा से पहले ही उपलब्ध कराएंगे”

—स्विट्ज़रलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम पर जनवरी 2018 में प्रधानमंत्री मोदी।

विश्व पटल पर भारत की उभरती छवि

वैश्विक परमाणु सम्पन्न देशों में शामिल

परमाणु अप्रसार के प्रति भारत की वैश्विक प्रतिबद्धता के दृष्टिगत भारत को मिसाइल तकनीक नियन्त्रण प्रणाली (एमटीसीआर), वासेनार व्यवस्था तथा ऑस्ट्रेलिया समूह सहित शीर्ष वैश्विक परमाणु निर्यात व्यवस्था का सदस्य बनाया गया। इन परमाणु संगठनों में भारत की सदस्यता से भारत का वैश्विक परमाणु शक्ति की प्रमुख धारा में शामिल होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इससे भारत के विकास तथा समृद्धि के लिए उन्नत परमाणु प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण संभव हो सकेगा।

जून 2016

MTCR

दिसम्बर 2017

WASSENAAR WA ARRANGEMENT

जनवरी 2018

The Australia Group

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ): भारत और मध्य एशिया के देशों का सघन संपर्क

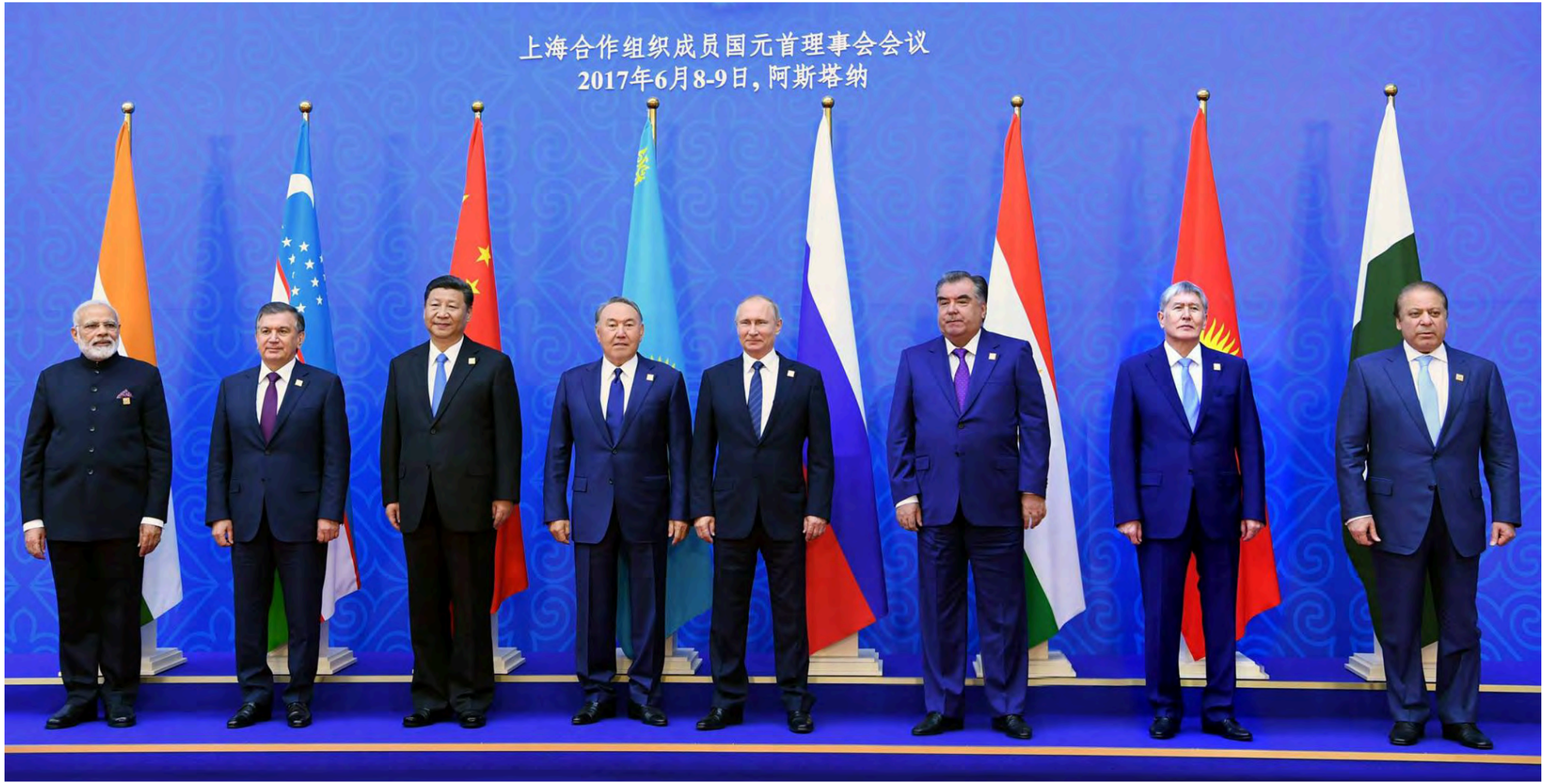

भारत के बढ़ते हुए रूतबे को स्वीकारते हुए जून 2017 में अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में भारत को पूर्णकालिक सदस्य के रूप में शामिल किया गया। इससे भारत की मध्य एशिया नीति को मजबूती मिली है। इसके माध्यम से नई दिल्ली आतंकवाद के खिलाफ क्षेत्रीय सहयोग को और अधिक मजबूत कर पाएगा। भारत एससीओ के साथ ऊर्जा, शिक्षा, परिवहन, कृषि, सुरक्षा, विकास और व्यापार के क्षेत्रों में संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। अस्ताना शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा– ''यद्यपि हम आज ही एससीओ के सदस्य बने हैं, लेकिन इस क्षेत्र के साथ हमारे संबंध सदियो पुराने हैं''।

मानवीय कूटनीति

दुख–दर्द को साझा करना, संकट के समय सहायता करना और कष्टों का निवारण करना भारत सरकार की कूटनीति का अभिन्न अंग बन गया है। कूटनीति का यह मानवीय और संवेदनशील चेहरा अनेक रूपों में सामने आया है। पिछले चार वर्षों में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के नेतृत्व में विदेश मंत्रालय ने विभिन्न क्षेत्रों में संकट और संघर्ष की स्थिति में फंसे भारतीयों की आगे बढ़कर सहायता की और उनकी सुरक्षित स्वदेश वापसी करायी। यमन तथा दक्षिणी सुडान की निकासियों का नेतृत्व तो विदेश राज्यमंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वी. के. सिंह ने स्वयं किया। सोशल मीडिया के माध्यम से तथा व्यक्तिगत हस्तक्षेप से सरकार एक संकट मोचक बन रही है। इसी भावना के चलते सरकार ने विश्वभर में बसे प्रवासी भारतीयों तक पहुँचकर उनमें भारत के साथ जुड़ाव की भावना बढ़ाई है और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में उनका सहयोग भी हासिल किया है।

(दाएं) पाकिस्तान से वापस लायी गयी मूक–बधिर कन्या गीता के साथ विदेश मंत्री सुषमा स्वराज। मंत्री ने गीता के माता–पिता का पता लगाने में सहायता की अपील की है।
(नीचे) अफगानिस्तान में अपहृत हो जाने के पश्चात् जुलाई 2016 में वापस भारत लौटीं जूदिथ डिसूजा के साथ प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री सुषमा स्वराज।

(शीर्ष बाएं से घड़ी की सुई की दिशा में) इस्लामिक स्टेट की कैद में रहने के पश्चात् सितंबर 2017 में वापस भारत लौटे फादर टॉम के साथ प्रधानमंत्री मोदी; मानव तस्करी की शिकार गुरप्रीत कौर और उनकी आठ वर्षीय बेटी जर्मनी से वापस लाए जाने के पश्चात् विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के साथ; पाकिस्तान में लापता होने के पश्चात् वापस भारत लौटे निजामी भाइयों के साथ विदेश मंत्री सुषमा स्वराज; रियाद में भारतीय श्रमिकों के साथ प्रधानमंत्री मोदी तथा अफगानिस्तान में अपहृत होने के पश्चात वापस लौटे फादर एलेक्सिस प्रेम कुमार के साथ विदेश मंत्री सुषमा स्वराज।

इराक में आईएसआईएस आतंकवादियों द्वारा बंधक बनाई गईं एवं वापस भारत लौटीं 46 भारतीय नर्सों के समूह का कोच्चि में अपने परिवारों के साथ भावुक पुनर्मिलन।

(शीर्ष) कुवैत में भारतीय श्रमिकों की शिकायतों को सुनतें हुए विदेश राज्य मंत्री एम. जे. अकबर। (नीचे) जेद्दाह में किंग अब्दुल्ला मेडिकल कॉम्प्लेक्स में घायल भारतीय हज यात्रियों के साथ विदेश राज्य मंत्री वी. के. सिंह।

भारतीय सबसे पहले

यूक्रेन से वर्ष 2014

में 1,100 लोगों की निकासी करवायी गई।

लीबिया से वर्ष 2014

में 3,750 लोगों की निकासी करवायी गई।

इराक से वर्ष 2014

में 7,200 लोगों की निकासी करवायी गई।

यमन से वर्ष 2015

में 6,710 की निकासी करवायी गई। 48 देशों से 4,748 भारतीयों तथा 1,962 भारतीय नागरिकों को बचाया गया।

नेपाल से वर्ष 2015

में 'ऑपरेशन मैत्री' के माध्यम से सबसे बड़ी आपदा राहत सहायता प्रदान की गई।

दक्षिण सूडान से वर्ष 2016

में 157 भारतीयों की निकासी करवायी गई।

(शीर्ष) नेपाल में आये भूकंप के बाद सहायता देने वाला भारत प्रथम राष्ट्र था।
(दाएं) यमन में ऑपरेशन राहत का नेतृत्व करते विदेश राज्यमंत्री वी. के. सिंह।

(घड़ी की सुई की दिशा में) बांग्लादेश में विस्थापित लोगों की सहायता हेतु चलाये गये ऑपरेशन इंसानियत के अंतर्गत मानवीय सहायता की पहली खेप भारत के राजदूत हर्षवर्धन श्रृंगला ने भेंट की। बाढ़ प्रभावित श्रीलंका में भारतीय नौसेना ने राहत और बचाव अभियान के लिए तीन जहाजों को तैनात किया; भारत ने गंभीर जल संकट से जूझ रहे मालदीव को सहायता प्रदान करने हेतु नौसेना के जहाजों के जरिये तुरन्त पानी भेजा; भारत ने दक्षिण सुडान में फँसे 157 भारतीयों को अपना जहाज भेजकर स्वदेश लाने का काम किया।

प्रवासियों से लगाव

राष्ट्र निर्माण में भागीदार

(शीर्ष बाएं से घड़ी की सुई की दिशा में) समग्र महाद्वीपों के अनेक देशों और महानगरों में बसे भारतीय समुदाय के लोगों के साथ अभूतपूर्व जुड़ाव को प्रदर्शित करते हुए भारतीय नेतागण; प्रधानमंत्री मोदी ने जोहानेसबर्ग तथा लंदन के वेम्बले स्टेडियम में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इथियोपिया में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद।

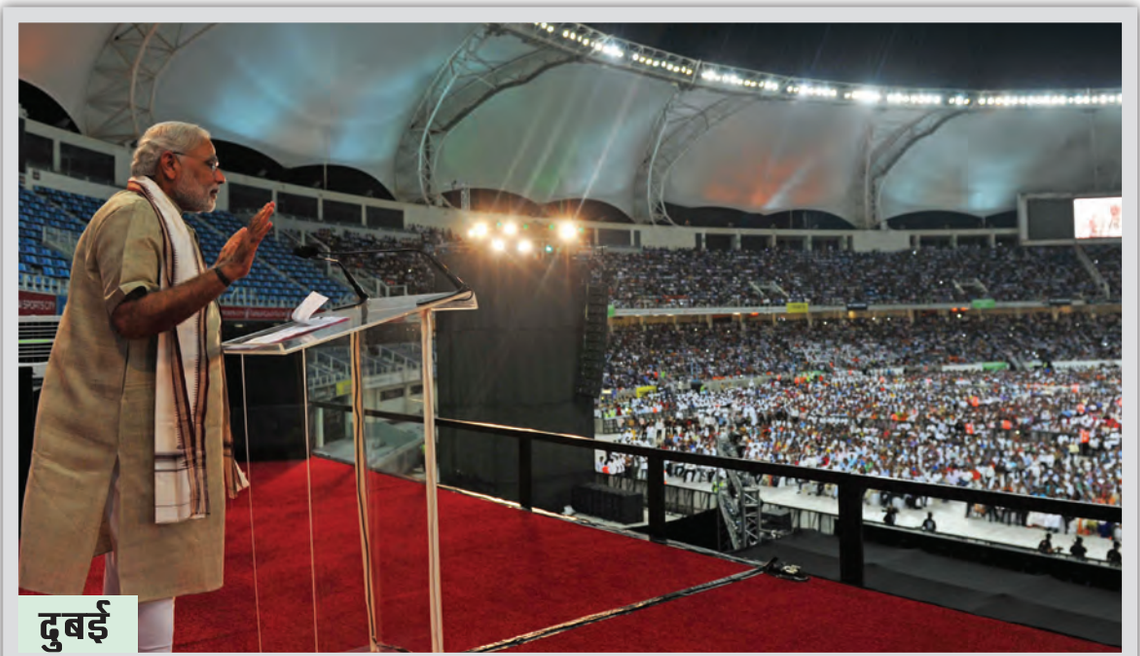

दुबई

सिडनी

सिंगापुर

बर्लिन

(शीर्ष) संयुक्त अरब अमीरात के दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में तथा सिडनी में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी;
(नीचे) सिंगापुर में आसियान–भारत प्रवासी भारतीय दिवस में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज; बर्लिन में भारतीय समुदाय को संबोधित करती हुयीं विदेश मंत्री सुषमा स्वराज।

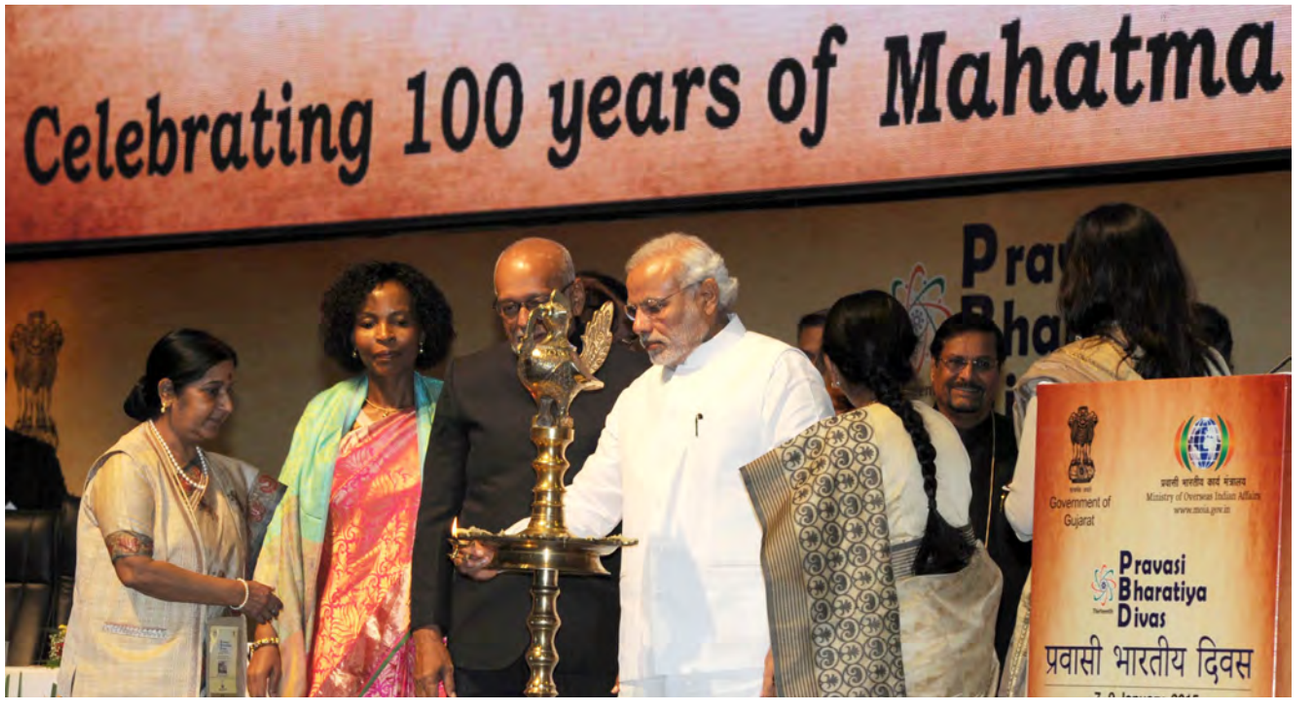

(बाएं) जनवरी 2015 में गांधीनगर में प्रधानमंत्री मोदी ने 13वें प्रवासी भारतीय दिवस का उद्घाटन किया; (नीचे) जनवरी 2017 में बेंगलुरु में प्रवासी भारतीय दिवस पुरस्कार विजेताओं के साथ राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी।

प्रवासी भारतीय दिवस के एक वर्षीय प्रारूप को द्वि-वार्षिक आयोजन में परिवर्तित कर दिया गया है। इस दौरान विभिन्न विषयों पर डायस्पोरा सम्मेलन की श्रृंखलाएं आयोजित की जाती हैं।

सर्वप्रथम पीआईओ संसद सदस्य सम्मेलन

भारत ने 9 जनवरी, 2018 को नई दिल्ली में प्रवासी भारतीय सांसदों का पहला सम्मेलन आयोजित किया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने पीआईओ को भारत के स्थायी राजदूतों और भारत के विकास के भागीदारों के रूप में वर्णित किया। भारतीय नागरिकों के कल्याण के लिए कार्य कर रहे भारतीय संगठनों के सम्मेलन में भाग लेने आये प्रवासी भारतीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के साथ।

प्रवासी भारतीयों को समर्पित प्रवासी भारतीय केन्द्र

नई दिल्ली में प्रवासी भारतीय केंद्र का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी, साथ में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज, विदेश राज्यमंत्री वी. के. सिंह और विदेश राज्यमंत्री एम. जे. अकबर

भारत को जानें: जोड़ने का एक प्रयास

'भारत को जानें' कार्यक्रम में भाग लेने आये प्रवासी भारतीय युवाओं के साथ विदेश मंत्री सुषमा स्वाराज और विदेश राज्यमंत्री एम. जे. अकबर

अपने पुरखों के भारत को खोजने तथा आधुनिक भारत को देखने– इन दोहरे लक्ष्यों के साथ भारतीय मूल के युवाओं के लिए 'भारत को जानें' कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

सांस्कृतिक सम्पर्क

आध्यात्मिक सम्बन्ध

भारत के जीवन मूल्यों तथा सांस्कृतिक विविधता को एक सूत्र में पिरोते हुए हमने उसे कूटनीति के साथ जोड़ा। इस कारण विश्व मंच पर भारतीय सभ्यता की पहचान बढ़ी तथा वैश्विक मसलों पर नई दिशा से सोचने में मदद मिली। एक प्राचीन सभ्यता जिसका सहस्त्र वर्षों का इतिहास है और जिसने अपनी परम्पराओं को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक युग में अपनी जगह बनाई है उसे विश्व आज आदर की निगाह से देख रहा है।

परंपरागत कूटनीति से आगे बढ़कर हमने दिलों और दिमागों को जोड़ा है। हमने विश्व को भारत की संस्कृति और मूल्यों से अवगत कराया है। हमारा यह सांस्कृतिक जुड़ाव कई रूपों में दिखाई दिया है। विश्वभर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन और यूनेस्को द्वारा कुंभ मेले को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में घोषित किया जाना इसका प्रमाण है। बौद्ध धर्म हमारे नजदीक तथा थोड़ी दूर के पड़ोसी देशों के साथ हमारी साझी विरासत है। सांस्कृतिक संपर्क बढ़ने के कारण उस धरोहर को भी बहुत ऊँचाई मिली।

United Nations
Educational, Scientific and
Cultural Organization

Intangible
Cultural
Heritage

आध्यात्मिक जुड़ाव

रामायण सर्किट

मुक्तिनाथ मंदिर

"नेपाल के बिना
हमारे धाम और राम
अधूरे हैं"

–प्रधानमंत्री मोदी

(बाएं) मई 2018 में नेपाल के जनकपुर में जानकी मंदिर में नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली के साथ प्रधानमंत्री मोदी। प्रधानमंत्री मोदी जनकपुर–अयोध्या बस सेवा को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए, जो भारत एवं नेपाल के दो पवित्र शहरों को आपस में जोड़ती है।

अप्रैल 2018 में मंगोलिया के गंडन मठ में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज।

" दो चीजें दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत को जोड़ती हैं, रामायण और बौद्ध धर्म "

–विदेश मंत्री सुषमा स्वराज

प्रधानमंत्री मोदी ने सितंबर 2016 में म्यांमार के बागान स्थित आनंद मंदिर में आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए। भारत ने 12वीं सदी के इस प्रसिद्ध बौद्ध मंदिर के पुनर्नवीकरण में सहायता की।

साझा विरासत

श्री आग्नेय नमः

(आवरण पृष्ठ) फरवरी–2018 में ओमान के मस्कट में प्रतिष्ठित सुल्तान कबूस ग्रैंड मस्जिद में प्रधानमंत्री मोदी। (दाएं) मदर टेरेसा के कैनॉनाइजेशन समारोह में भाग लेने के बाद वेटिकन सिटी में पोप फ्रांसिस के साथ विदेश मंत्री सुषमा स्वराज। (घड़ी की सुई की दिशा में) अप्रैल–2018 में बाकू के अग्नि मंदिर अतिशगाह में प्रार्थना करती हुईं विदेश मंत्री सुषमा स्वराज; अप्रैल–2015 में वैंकूवर के एक गुरुद्वारे में अपने कनाडा के समकक्ष स्टीफन हार्पर के साथ प्रधानमंत्री मोदी; अप्रैल–2016 में तेहरान के गुरुद्वारा और सामुदायिक विद्यालय में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज।

काशी–क्योटो

साझेदारी स्थापना समारोह

स्थापना समारोह

अबु धाबी में पहला हिन्दू मंदिर

फरवरी 2018 में अबु धाबी में पहले हिन्दू मंदिर के लिए आधिकारिक तौर पर आधारशिला रखने का समारोह आरंभ करने के पश्चात् अबु धाबी के क्राऊन प्रिंस मोहम्मद बिन जायेद अल नहयान के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

"मेरा मानना है कि यह मंदिर वास्तुकला और वैभव के मामले में न केवल अद्वितीय होगा, बल्कि विश्व भर के लोगों को 'वसुधैव कुटुंबकम' (विश्व एक परिवार है) का संदेश भी देगा।"

-प्रधानमंत्री मोदी

(बाएं) जनवरी 2016 में श्रीनाथ मंदिर में बहरीन के विदेश मंत्री खालिद बिन अहमद अल खलीफा के साथ विदेश मंत्री सुषमा स्वराज; (दाएं) अगस्त 2015 में अबु धाबी की शेख जायद मस्जिद में प्रधानमंत्री मोदी।

विदेश मंत्रालय द्वारा की गई नई पहलें

नये कीर्तिमान स्थापित करते हुये

भारत की विदेश नीति को आज जनता से जोड़ने के लिए विदेश मंत्रालय ने 'समीप' नाम से एक अभिनव पहल की है। जिन कस्बों और गाँवों में विदेश मंत्रालय के अधिकारी पले–बढ़े हुए हैं तथा जिन विद्यालयों में वे पढ़े हैं, उनमें पढ़ रहे विद्यार्थियों को विदेश नीति से परिचय कराया जा रहा है। विदेश सेवा के अधिकारी विदेश नीति के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों के साथ बातचीत करते हैं और विदेश नीति के बारे में समझाते हैं। इस कार्यक्रम की बहुत सराहना हो रही है। अब तक 'समीप' के अन्तर्गत 5 कार्यक्रम सम्पन्न हो चुके हैं।

क्षेत्रीय मीडिया के साथ सीधा सम्पर्क साधने के लिए विदेश मंत्रालय ने 'विदेश आया प्रदेश के द्वार' नाम से एक नई योजना तैयार की है, जिसके अन्तर्गत हमारा प्रचार विभाग विभिन्न प्रदेशों में जाकर भाषाई पत्रकारों से विदेश नीति पर वार्ता करता है, प्रश्नोत्तर करता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत हैदराबाद से की जा चुकी है। इस कार्यक्रम के माध्यम से पहली बार भाषाई पत्रकारों को यह आभास हो रहा है कि विदेश मंत्रालय उनके साथ भी जुड़ रहा है।

प्रदेश में विदेश

एक ही छत के नीचे: भारत के प्रथम विदेश भवन के लोकार्पण के अवसर पर अगस्त 2017 में महाराष्ट्र के मुख्यमन्त्री देवेन्द्र फड़नवीस तथा विदेश राज्यमंत्री वी. के. सिंह के साथ विदेश मंत्री सुषमा स्वराज। महाराष्ट्र में विदेश भवन मे विदेश मंत्रालय के अधीन आने वाले समस्त कार्यालय स्थापित हैं।

समय पर मदद

मदद हैल्पलाईन 1800 11 3090 011-40503090 (International)

ओडब्यू आरसी सहायता 1800 11 3090 +91-11-2688-5021 helpline@mea.gov.in

ई–माइग्रेट सहायता डेस्क helpdesk@emigrate.gov.in 011-26887772

ई–सनद

दस्तावेजों का ऑनलाईन सत्यापन। भारत तथा भारत के बाहर आवेदक बिना व्यक्तिगत संपर्क के, बिना नगदी भुगतान के और बिना कागजी कार्रवाई के अपने दस्तावेजों का सत्यापन करा सकते हैं।

सिर्फ 1 ट्वीट से मिली राहत

ट्वीट्सः 11.7+ मिलियन लोग इससे जुड़े

समीप: छात्रों को विदेश नीति से अवगत कराना

1 'समीप' विदेश मंत्रालय और छात्रों को आपस में जोड़ने के लिये विदेश प्रचार तथा लोक राजनय (एक्सपीडी) प्रभाग की एक अभिनव पहल है। इसके अन्तर्गत भारत के विभिन्न शहरों तथा कस्बों के छात्र समुदाय तक विदेश मंत्रालय की पहुँच बनाने की कोशिश है।

2 इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल तथा कॉलेज के छात्रों को विदेश मन्त्रालय की भूमिका और इसके कार्यों से अवगत कराना है।

3 इस कार्यक्रम के अर्न्तगत विदेश मंत्रालय के अधिकारी स्वैच्छिक रूप से अपने अवकाश के दौरान अपने गृह नगर/राज्य के स्कूल एवं कॉलेजों के दौरे पर जाते हैं और वहां विद्यार्थियों के साथ बातचीत करते हैं तथा उन्हें विदेश मंत्रालय की कार्यप्रणाली की जानकारी देते हैं। इसके अलावा वह छात्रों के साथ अपने अनुभव भी साझा करते हैं।

4 'समीप' कार्यक्रम पहले ही जालंधर, तिरूची, सोनीपत तथा इम्फाल में आयोजित किये जा चुके हैं और ऐसे ही अनेक कार्यक्रम अभी किये जाने शेष हैं। विद्यार्थियों को विदेश नीति की जटिलाओं को समझने में यह कार्यक्रम अत्यन्त उपयोगी सिद्ध हुआ है।

पासपोर्ट सेवाओं में क्रान्तिकारी सुधार

नागरिक–केन्द्रित जनसेवा

नागरिक–केन्द्रित तथा जन–मैत्रीपूर्ण जैसे मार्गदर्शी सिद्धान्तों के साथ पासपोर्ट सेवा परियोजना ने नागरिकों को पासपोर्ट तथा उससे संबंधित सेवाएँ प्रदान करने की प्रक्रिया में क्रान्तिकारी परिवर्तन किया है। पासपोर्ट सेवा परियोजना का प्रारूप भारतीय नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है।

4 साल में पासपोर्ट वितरित हुये **4.2 करोड़+**

285 मई 2018 में

कुल पीएसके (2014 में) **77**

पीएसके में बढ़ोत्तरी (2014–18 में) **208**

नियमों का सरलीकरण

जनता की कठिनाइयों को दूर करने के लिए पासपोर्ट नियमों में संशोधन करके उन्हें सरल तथा संवेदनशील बनाया गया है। जिससे आम आदमी की जिन्दगी बहुत आसान हो गई है। जैसे–

अनाथ बच्चों के मामले में अनाथालय के अध्यक्ष द्वारा जन्मतिथि के संबंध में दी गई तिथि को जन्मतिथि प्रमाण पत्र के रूप में स्वीकार किया जा रहा है।

तलाकशुदा महिलाओं के मामले में अब पूर्व पति का नाम पासपोर्ट में लिखना जरूरी नहीं है।

एकल अभिभावक की सुविधा के लिये अब आवेदक को ऑनलाईन पासपोर्ट का आवेदन करते समय अपने पिता/माता या कानूनी अभिभावक में से किसी एक का नाम लिखना ही काफी होगा।

पुलिस सत्यापन के लिए लगने वाले दिनों में कमी आई है।

2014	2018
42 दिन	21 दिन

1400 पासपोर्ट मेलों का आयोजन

280 पासपोर्ट सेवाएं

उत्तर–पूर्वी राज्यों में नये पीएसके: वर्ष 2014 तक पूर्वोत्तर के सभी प्रदेशों में केवल गुवाहाटी में एक ही पासपोर्ट कार्यालय था। 2018 तक पूर्वोत्तर के सभी प्रदेशों में अलग–अलग पासपोर्ट सेवा केन्द्र खोल दिए गए हैं।

पासपोर्ट आपके द्वार

दूरवर्ती क्षेत्रों में पासपोर्ट पहुँचाने के लिए डाकघरों को अधिकृत करना एक महत्वपूर्ण पहल है।

जून 2017 में डाकघर पासपोर्ट सेवा केन्द्र की घोषणा करते हुए संचार मंत्री मनोज सिन्हा के साथ विदेश मंत्री सुषमा स्वराज।

भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन

(शीर्ष से घड़ी की सुई के अनुसार) सितम्बर 2015 में भोपाल में 10वें विश्व हिन्दी सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी के साथ विदेश मंत्री सुषमा स्वराज; मार्च 2018 में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मॉरीशस में विश्व हिन्दी सचिवालय भवन का उद्घाटन किया; अप्रैल 2018 में बीजिंग में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित 'भारत–चीन मैत्री में हिन्दी का योगदान' शीर्षक पर आयोजित एक कार्यक्रम में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज।

विश्व संस्कृत सम्मेलन

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज द्वारा बैंकॉक में 16वें विश्व संस्कृत सम्मेलन का उद्घाटन

भारत एक परिचय

भारत की दुनिया से साझेदारी

'भारत एक परिचय' पाठकों को विविधता से भरे प्रगतिशील और बहु–सांस्कृतिक देश की आत्मा और हृदय को समझने का अवसर देता है। यह विभिन्न मतों, भाषाओं तथा दर्शनों में गुथे और सदियों से एक–दूसरे के साथ जुड़े भारत के आध्यात्मिक और बौद्धिक विरासत का विश्व से परिचय कराता है। विश्वभर में भारतीय मिशनों और पोस्टों को 51 पुस्तकों का एक सेट उपलब्ध कराया गया है, जिसे उन्हें अपने–अपने देशों के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के पुस्ताकालयों को देना है। इसमें संवैधानिक सूची में शामिल सभी भारतीय भाषाओं की पुस्तकों सहित 51 पुस्तकें शामिल हैं। इस ज्ञान के उपहार से सभी देशों को भारत की मूल भावना और अरबों लोगों के जीवन को प्रकाशमान करने वाली भावना को समझने का अवसर मिलेगा। पुस्तकों के इस डिब्बे को खोलकर पाठक भारत की सोच की विशिष्ट महक और इसके विश्व दृष्टिकोण को जान पाएंगे तथा विवेक, उत्साह और आनन्द से भरे भारत से परिचित हो पायेंगे।

विदेश आया प्रदेश के द्वार

क्षेत्रीय मीडिया को जोड़ते हुये

'विदेश आया प्रदेश के द्वार' जन सामान्य तक भारतीय विदेश नीति के उद्देश्यों को पहुँचाने की व्यापक जन कूटनीति का एक अंग है। इस पहल में भारत के विभिन्न नगरों में स्थित ऐसे क्षेत्रीय मीडिया के साथ विदेश मंत्रालय सम्पर्क कर रहा है जिसने अपना स्थान स्वयं बनाया है और जिसका अद्वितीय और व्यापक पाठक वर्ग है।

स्थानीय मीडिया से सीधे संवाद के माध्यम से मंत्रालय सरल शब्दों में विदेश नीति की प्राथमिकताओं को समझाने, कूटनीतिक प्रयासों के माध्यम से जन–सामान्य से जुड़े इसके लाभों को उजागर करने तथा विदेश नीति के विषय में जनता को जागरूक करने का इच्छुक है। इसका लक्ष्य विदेश नीति में रुचि रखने वाले मीडिया कर्मियों का एक समूह तैयार करना तथा विदेश मंत्रालय से उनको जोड़ना है। हैदराबाद से इस कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जा चुका है।

वृहद सम्पर्क योजनाः लक्ष्य 192

एक अभिनव पहल में इस सरकार ने संयुक्त राष्ट्र के समस्त 192 सदस्य देशों तक पहुंचने हेतु वर्ष 2015 में वृहद सम्पर्क योजना आरंभ की। इस कार्यक्रम में मौजूदा सरकार के कार्यकाल के दौरान सभी देशों के लिए कम से कम एक मंत्री स्तर की यात्रा की परिकल्पना की गई है। प्रथम चार वर्षों में कुल 185 देशों का दौरा किया गया और शेष सात देशों की यात्रा प्रक्रियाधीन है।

अजय टम्टा
मैकडोनिया

अनंत गीते
यूक्रेन

अनुप्रिया पटेल
डोमिनिका
ग्रेनाडा

अशोक गजपति राजू
आर्मेनिया
जॉर्जिया

सी. आर. चौधरी
सेंट किट्स और नेविस
अंटीगुआ और बारबूडा
चेक गणराज्य

धर्मेन्द्र प्रधान
नाइजीरिया

सहयोगी मंत्री

डी. वी. सदानंद गौड़ा
मोलदोवा गणराज्य

फग्गन सिंह
क्यूबा

गजेन्द्र सिंह शेखावत
ग्रीस

गिरिराज सिंह
पोलैण्ड

जी. एम. सिद्देश्वर
मलावी
जाम्बिया
नाइजर

हरिभाई पी. चौधरी
पराग्वे

हरसिमरत कौर बादल
डेनमार्क
सैन मैरीनो

जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोर
समोआ

जितेन्द्र सिंह
सर्बिया

जुएल ओरांव
बोत्सवाना

किरण रिजिजु
लीबिया
ट्यूनीशिया

कृष्ण पाल
तिमोर लेत्से

सहयोगी मंत्री

कृष्णा राज
रोमानिया

महेश शर्मा
हंगरी
लेसोथो

मेनका संजय गाँधी
उरुग्वे

मनोज सिन्हा
कांगो गणराज्य

मनसुख लाल मंडाविया
टोंगा

मोहनभाई कुंदरिया
बुर्किना फासो

मुख्तार अब्बास नकवी
जाम्बिया

निर्मला सीतारमण
क्रोएशिया

पीयूष गोयल
सोलोमन द्वीपसमूह
वेनुआतू

पी. पी. चौधरी
बारबाडोस
सेंट विनसेंट एंड ग्रेनाडाइन्स

राजेन गोहेन
बोलीविया

सहयोगी मंत्री

राजीव प्रताप रूढ़ी
सेंट लूसिया

राज्यवर्धन सिंह राठौर
नामीबिया
जिम्बॉब्वे

राम कृपाल यादव
निकारागुआ
सिएरा लियोन
गिनी

राम शंकर कठेरिया
चाड, कैमरून
गबोन, बेनिन

रविशंकर प्रसाद
लातविआ
एस्टोनिया

सन्तोष गंगवार

मेडागास्कर

सत्य पाल सिंह

गुयाना

सुभाष रामराव भामरे

नाउरू

सुदर्शन भगत

बेलीज, हौण्डुरस

युगांडा, बुरुंडी

केप वर्दे

सहयोगी मंत्री

सुरेश प्रभु

अल्बानिया

बॉस्निया

हर्जेगोविना

पनामा

विजय सांपला

हैती

विष्णुदेव साय

अण्डोरा

मौरिटानिया

गिनी बिसाऊ

वाई. एस. चौधरी

पलाऊ

कोमोरोस

डिज़िटलीकरण का विस्तार

डिज़िटलीकरण की चर्चा की जाए तो विदेश मंत्रालय तर्कसंगत ढंग से भारत सरकार का सर्वाधिक सक्रिय तथा सशक्त मंत्रालय है। हमने अपने मंत्रालय तथा मिशन/पदों को सभी प्रमुख सोशल मीडिया की चर्चा का विषय बनाया है, जिससे वैश्विक डिजिटल कूटनीति रैंकिंग में इस प्रयास के परिणाम दिखाई दे रहे हैं।

ट्वीटर
1.87 मिलियन
अनुसरण करने वाले

यू–ट्यूब
59,892
पसंद करने वाले

फेसबुक
2 मिलियन लोगों ने इसका अनुसरण किया
167 मिशन और भारतीय पोस्टों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

***जुलाई 2016 से शुरु**
इंस्टाग्रामः विदेश मंत्रालय
24.6 हजार

ट्वीटर पर भारतीय मिशन और पोस्टों की संख्या 174

ट्वीटरः लोक कूटनीति
1.38 मिलियन
लोग इसका अनुसरण करते हैं।

फेसबुकः लोक कूटनीति
3 मिलियन
लोग इसका अनुसरण करते हैं।

11.7 मिलियन लोगों द्वारा सर्वाधिक अनुसरण किये जाने वाली विदेश मंत्री

प्रमुख बिन्दु

- विदेश मंत्रालय का ट्वीटर हैंडल विश्व के तीन सर्वाधिक देखे जाने वाले विदेश मंत्रालयों में से एक है।
- इसके साथ ही भारतीय कूटनीति हैंडल और विदेश मंत्रालय के फेसबुक पृष्ठ विश्व के विदेश मंत्रालयों में सर्वोच्च स्थान रखते हैं। यह अमेरिका के विदेश मंत्रालय से भी आगे है। (इसको देखे जाने वालों की संख्या के आधार पर)
- विदेश मंत्रालय का इंस्टाग्राम विश्व के 10 सक्रिय इंस्टाग्रामों में से एक है। ट्विप्लोमेसी के अनुसार हमारा स्थान विश्व में छठें नम्बर पर है।
- वर्ष 2015–16 में वेबरत्न अवॉर्ड से सम्मानित

विदेश मंत्रालय भारत सरकार
की
प्रस्तुति